कार्यकारी योजना

वर्ष

1983-84

से

1987-88

जिला उद्योग केन्द्र
धौलपुर, राजस्थान

क्रमांक	विषय	पृष्ट सं०
1• अध्याय – 1	जिला परिचय	
1•1	भौगोलिक स्थिति एंव सीमायें	1
1•2	प्रशासनिक ढांचा	1
1•3	जलवायु तापमान, एंव वर्षा	1
1•4	नदियां तालाव एंव सिंचित क्षेत्र	1
1•5	कृषि संसाधन	1–2
1•6	औद्योगिक स्थिति	2–4
1•7	सहायता एंव सुविधायें	2–4
2– अध्याय – 2	मानवीय संसाधन	
2•1	मानवीय संसाधन	5
2•2	शिक्षित बेरोजगारों का वर्गीकरण	5
2•3	शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार योजना	6–8
3– अध्याय – 3	क्षेत्रीय संसाधन	
3•2	कृषि सम्पदा	9
3•2	पशुधन सम्पदा	9–10
3•3	खनिज सम्पदा	10
3•4	वन सम्पदा	10
4– अध्याय – 4	विद्यमान आधारभूत सुविधायें :	
4•1	रेल	11
4•2	सडक	11
4•3	यातायात	11
4•4	दूर संचार	11
4•5	विद्युत	11
4•6	सिंचाई के साधन एंव जल उपलब्धियां	11–14
4•7	वित्तिय संस्थायें	14
4•8	प्रशिक्षण सुविधायें	14–15
4•9	औद्योगिक क्षेत्र	15
4•10	विपणन	15
4•11	कच्चा माल	15–16
4•12	उद्योगकर्मी विकास	16
5– अध्याय –5	पंचायत समिति बार उपलब्ध आधार भूत सुविधायें एंव सूचनाओं का विवरण	17–21

•••2/

NIEPA DC
D03025

6- अध्याय - 6 विद्यमान उद्योग

6•1 बृहद एवं मध्यम उद्योग 22
6•2 पंजीकृत लघु उद्योग 22
6•3 घरेलू एवं दस्तकार उद्योग 22-23
6•4 खादी एवं ग्रामोद्योग 24-25

7- अध्याय- 7 संभावित उद्योग

7•1 संभावित उद्योगों का विवरण 25
7•2 पंचायत समिति वार संभावित उद्योगों का क्षेत्रवार विवरण 25-27
7•3 जिले के संभावित विकास केन्द्र 28

8- अध्याय - 8 कार्यकारी योजना

8•1 विभिन्न योजनाओं के वर्ष 83-88 के लक्ष्य 29 & 30
8•2 अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिये वर्ष 83-88 के लक्ष्य {सारिणी 8•2 पृ०सं० 31} 29
8•3 उद्योग वार एवं वर्षवार कार्यकारी योजना 83-88 {सारिणी 8•3 पृ०सं०32-34} 29
8•4 वित्तीय कार्यकारी योजना {राज• वित्त निगम एवं बैंक} {सारिणी 8•4 पृ०सं० 35} 29
8•5 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की कार्यकारी योजना 83-88 {सारिणी 8•5 पृ०सं० 34,36-37} 29
8•6 औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने हेतु कार्यक्रम 83-88 {सारिणी 8•6 पृ०सं० 38} 29
8•7 ट्राईसम योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम 83-88 {सारिणी 8•7 पृ०सं०} 39-43} 29

x x x x x x x x x x x
x x x x x x x x x
x x x x x x x
x x x x x x
x x x x
x x
x

Sub. National Systems Unit.
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 3622
Date 31-3-86

-: अध्याय-1 :-

प्रतिवृ :-

1.1 भौगोलिक स्थिति एवं सीमायें :-

नवोदित धौलपुर जिले का गठन 15 अप्रैल, 1982 को किया गया। जिसका कुल क्षेत्रफल 3009.00 वर्ग किलो मीटर है। यह जिला राजस्थान के उत्तर-पूर्व आंचल में स्थित है एवं 26.22 से 25.70 उत्तरी अक्षांश व 76.53 से 76.17 पूर्वी देशान्तर के मध्य फैला हुआ है। इसके उत्तर पूर्व में उत्तर प्रदेश का आगरा जिला, दक्षिण में मध्य प्रदेश का मुरैना जिला - पश्चिम में सवाई माधोपुर जिला व उत्तर में भरतपुर जिले से इसकी सीमाऐं लगी हुई हैं। जिले का अधिकांश भाग पथरीला एवं पहाड़ी है। लेकिन इसके साथ यहां का मैदानी क्षेत्र भी बहुत उपजाऊ है एवं कृषि की दृष्टि से काफी - महत्वपूर्ण है।

1.2 प्रशासनिक ढांचा :-

प्रशासनिक दृष्टि से जिले को एक उपखण्ड, चार तहसील एवं तीन उप तहसीलों में विभाजित कर रखा है। विकास की दृष्टि से इस जिले में चार पंचायत समितियों तथा तीन नगरपालिकाओं एवं 149 ग्राम पंचायतों में विभक्त है। जिले में कुल 553 राजस्व गांव, 17 राजस्व सर्किल एवं 198 पटवार सर्किल हैं।

जिला	उपखण्ड मुख्यालय	तहसील	उपतहसील	पंचायत समिति
1-धौलपुर	1.धौलपुर	धौलपुर	सैपऊ मनिया	धौलपुर
		राजाखेड़ा	-	राजाखेड़ा
		बाड़ी	-	बाड़ी
		बसेड़ी	सरमथुरा	बसेड़ी

1.3 जलवायु :-तापमान एवं वर्षा -

जिले की जलवायु शुष्क है, वार्षिक वर्षा का औसत 84 से0मी0 है। प्रान्त का सर्वाधिक गर्म भू भाग धौलपुर कस्बा ही है। यहां का सर्वाधिक तापक्रम 49. है। जिले का न्यूनतम तापक्रम 1 से0 है। जिले की सर्वाधिक वर्षा बाड़ी तहसील में 114 से0मी0 तक (1976) में आंकी गयी है।

1.4 नदियां, तालाब, एवं सिंचित क्षेत्र :-

जिले में सिंचाई के मुख्य साधन कूएं एवं ट्यूब वैल हैं। नहरों एवं तालाबों से 14.8% क्षेत्र सिंचित कियाजाता है। धौलपुर जिले में सिंचाई के कुल 11 तालाब हैं। धौलपुर जिले की सीमा पर होती हुई चंबल नदी बहती है। इसके अलावा जिलेमें पारबती नदी सैपऊ क्षेत्र से गुजरती है। जिले मेंमुख्य बांध आंगई बांध है जिससे जिले के काफी बड़े क्षेत्र में सिंचाई की जाती है।

1.5 कृषि संसाधन :-

जिले का प्रमुख व्यवसाय कृषि है। 3 लाख हैक्टैयर कुल क्षेत्रफल में से लगभग 49% क्षेत्र में काश्त की जाती है। व 12% दो फसली क्षेत्र है। जिले की 31% कृषि योग्य भूमि सिंचित है। सिंचाई के मुख्य साधन कूए, नहर व

तालाब हैं, जिनसे क्रमश: 67% , 17% व 16% क्षेत्र सींचा जाता है । इस जिले में सिंचाई की प्रमुख योजना [illegible] है । जिले का अधिकांश भाग पहाड़ी एवं पथरीला है । लगभग 37.5% क्षेत्र कृषि योग्य नहीं है । जिले में भूमि जोत का औसत आकार 1.8 हैक्टेयर है व लगभग 72% भूमि जोत दो हैक्टेयर या इससे कम है । जिले में लघु एवं सीमान्त कृषकों की संख्या काफी अधिक है । जिले की प्रमुख फसलें बाजरा, गेंहू , चना एवं सरसों है ।

1.6 औद्योगिक स्थिति :-

नवोदित धौलपुर जिले के गठन के साथ ही उद्योग विभाग द्वारा यहां जिला उद्योग केन्द्र का कार्यालय 15.4.82 को स्थापित कर दिया गया था । इस केन्द्र में राजस्थान वित्त निगम की शाखा एवं रीको के अधिकारी भी पदस्थापित किए जा चुके हैं । धौलपुर मुख्यालय पर एक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा चुका है । जिसमें 30 भूखण्ड हैं । जिन्हें उपक्रमियों को आवंटित कर दिया गया है । इसके साथ ही बाड़ी में रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जा चुका है । जिले में औद्योगिक दृष्टि से धौलपुर एवं बाड़ी कस्बे काफी महत्वपूर्ण हैं । जिले में माह मार्च 85 तक कुल 949 लघु औद्योगिक इकाईयां पंजीकृत थीं । वृहद एवं मध्यम श्रेणी में राजस्थान एक्सप्लोसिव एण्ड केमीकल्स लि० एवं गंगानगर शुगर मिल्स {हाईटेक डिवीजन} {धौलपुर स्थित हैं। लघु उद्योगों में मुख्यत: खाद्यतेल, दालमिल , स्टोन पॉलिशिंग, लोहा के उत्पाद , चमड़े के जूते, चप्पलें बनाने के उद्योग कार्यरत हैं ।

1.7 सहायता एवं सुविधायें :-

जिला उद्योग केन्द्र द्वारा लघु उद्योग उपक्रमियों को दी जाने वाली सहायता एवं सुविधाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :-

{1} अ- औद्योगिक क्षेत्र : धौलपुर जिले में औद्योगिक विकास हेतु रीको द्वारा रेलवे स्टेशन के पास औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया गया है । इसी प्रकार तालाब शाही के पास बाड़ी में भी 15.59 एकड़ भूमि को औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया गया है । जिसमें रीको द्वारा विकास कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं । धौलपुर एवं बाड़ी के औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आवंटन हेतु विकास शुल्क की दर क्रमश: 10 रू० एवं 17 रू० प्रति वर्गमीटर रखी गयी है ।

धौलपुर में औद्योगिक प्रयोजनार्थ भूमि की मांग को देखते हुए 18 - बीघा 3 बिस्वा भूमि ओडेला {धौलपुर} में औद्योगिक क्षेत्र हेतु नियत की है इस नए औद्योगिक क्षेत्र का विकास रीको द्वारा किया जावेगा ।

ब- स्वायत्त शासी संस्थाऐं /पंचायत समिति / नगरपालिकाऐं ग्राम पंचायतें एवं सहकारी समितियां अपने क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करना चाहती है । तो राज्य सरकार/रीको के माध्यम से 25000 तक की आबादी वाले स्थानों पर 33% तथा 25000 से अधिक जनसंख्या वाले स्थानों पर 25% अनुदान उपलब्ध कराया जाता है । इस योजना के अन्तर्गत दस या अधिक व्यक्तियों द्वारा आवेदन करने पर ही औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने पर विचार किया जा सकता है ।

स- कृषि भूमि को औद्योगिक भूमि में परिवर्तित करने के अधिकार भी राजस्थान सरकार के राजस्व अधिकारी को प्रदान कर रखे हैं । यदि उपक्रमी अपनी कृषि भूमि पर { नगरपालिका सीमा से 8 मील दूर} उद्योग लगाना चाहें तो उसे कुल भूमि का 2% या 500 वर्गमीटर तक भूमि का तीन गुना लगान

जमा कराकर औद्योगिक प्रयोजनार्थ ... सकता है ।

{2} ऋण सुविधायें :-

लघु एवं कुटीर इकाईयों के लिए प्लान्ट एवं मशीनरी व भवन - स्थापित करने हेतु राजस्थान वित्त निगम द्वारा सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है । इसके अतिरिक्त राष्ट्रीयकृत बैंक भी लघु उद्योग इकाईयों को उद्योग स्थापित करने हेतु सुविधा उपलब्ध कराती है । विभागीय स्त्रोतों से भी लघु एवं कुटीर उद्योग को ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है इसकेअतिरिक्त खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा भी चयनित ग्रामोद्योगों एवं उद्योगों को भी ऋण व अनुदान कीसुविधा उपलब्ध कराई जाती है ।

राजस्थान वित्त निगम द्वारा औद्योगिक इकाईयों को उद्योग स्थापित करने व विस्तार करने तथा नवीन तरीके अपनाने हेतु ऋण स्वीकृत कियाजाता है । जिसकी ब्याज दर 10% से 13.5%तक वसूल की जाती है । 25000/- तक कीराशि का कंपोजिट ऋण भी निगम द्वारा भूमि, भवन व मशीनरी एवं उपकरण क्रय करने हेतु जिसमें कार्यशील पूंजी भी सम्मिलित है, स्वीकृत किए जाते हैं।

स्टेट एड टू इण्ड० कार्यक्रम के अन्तर्गत 25000/-रू० की राशि तक लघु उद्योगों को 10% की ब्याज दर पर ऋण सुविधा दी जाती है जिसकी अदायगी दो वर्ष पश्चात सात बराबर किश्तों में की जाती है ।

अ} मार्जिनमनी ऋण :- राज्य सरकार शिक्षित बेरोजगारों कोजो अपना स्वयं का उद्योग स्थापित करना चाहते हैं और जिनकी पूंजी विनियोजन 2 लाख रू० तक है, स्थिर पूंजी विनियोजन का 15% तक तथा कार्यशील पूंजी का 10% तकमार्जिन मनी ऋण प्रदान करती है । ऋण पर ब्याज की वसूल 6% प्रति वर्ष है । इस प्रकारके मार्जिनमनी ऋण का भुगतान संस्थागत ऋण की अदायगी के उपरान्त ही करना होता है ।

ब} अनुदान योजना :-

राज्य सरकार द्वारा 15% राजकीय अनुदान घोषित पिछडे जिले के अलावा अन्य सभी जिलोंमें {कोटा जयपुर, अजमेर व बीकानेर नगरों को छोडकर} अपने स्त्रोतों से नई इकाईयों को 15% तक {अधिकतम सीमा 3 लाख रू०तक} उपलब्ध कराया जाता है । इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, जनजाति के उपक्रमियों को लघु उद्योगों हेतु 15% के स्थान पर 20% से 25% {अधिकतम सीमा 3 लाख रू० तक} राजकीय अनुदान स्वीकृत किया जाता है। वृहद एवं मध्यम वर्ग के लिये भी 10% राजकीय अनुदान{ अधिकतम सीमा 10 ... तक} राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है ।

स} ब्याज मुक्त ऋण :- स्थाई पूंजी विनियोजन के 8% तक की राशि का वृहद उद्योगों हेतु 15% तक मध्यम श्रेणी के तथा 25% तक लघु उद्योगों हेतु इकाई द्वारा निर्मित माल पर जमा कराये जाने वाले बिक्री कर{ केन्द्रीय, राज्य बिक्री कर व खरीदकर} के बराबर स्वीकृत किया जाता है । यह राशि उद्योग के विस्तार एवं ऋण की किश्तें जमा कराने के काम में उपयोग की जा सकती है । इसकी अधिकतम सीमा 5 लाख रू० तक है । यह सुविधा 1 अप्रेल 85 से 31 मार्च 90 के मध्य उत्पादन प्रारम्भ करने वाली इकाईयों हेतु है ।

द} चुंगी मुक्ति :- औद्योगिक इकाईयों को प्लान्ट एवं मशीनरी स्थापित करने हेतु नई इकाईयों तथा पुरानी इकाई के विस्तार हेतु 31 मार्च 1...

.....4/-

तक के लिये चुंगी मुक्ति की सुविधा प्रदान की गई है ।

य§ लघु उद्योगों में काम आने वाली प्रयोगशालाओं के जांच उपकरण पर कीमत का 50% या 10000/= रु० की राशि तक जो भी कम हो, परीक्षण यंत्र अनुदान भी राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाता है ।

र§ खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा भी घोषित उद्योगों को ऋण एवं अनुदान की सुविधा प्रदान की जाती है । जिसकी ब्याज दर 4% होती है । इसके अलावा बोर्ड के/द्वारा उपक्रमियों को 8% निर्मित किये गये वस्तुओं के विपणन हेतु एवं समितियों के प्रबन्धकों को वेतन के रूप में प्रबंधकीय सुविधा भी प्रदान कराता है।

ल§ राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम द्वारा लघु उद्योगों को आसान किश्तों पर मशीन उपलब्ध कराई जाती है । हायर परचेज पर उपलब्ध कराई गई मशीनों पर निगम 9% की दर से ब्याज एवं 5 वर्षों में ऋण वसूली करता है । जिसका मोरटोरियम समय 18 माह का होता है । निगम द्वारा लघु उद्योगों को निर्मित माल के विपणन में भी सहायता प्रदान की जाती है ।

§3§ <u>अन्य सुविधायें :-</u>

§अ§ औद्योगिक इकाईयों को आधुनिकीकरण हेतु राज० वित्त निगम एवं रीको द्वारा 12.5% की ब्याज दर पर ऋण आदि की सुविधायें उपलब्ध कराई जाती है ।

§ब§ औद्योगिक इकाईयों को टैक्सटाईल्स, सिरेमिक, ग्लास, सीमेन्ट, इन्जि० शुगर मेटल व मिनरल्स पर आधारित होने पर मशीनों हेतु राजस्थान बिक्री कर से मुक्त रखने की सुविधा भी प्रदान की गई है ।

§स§ औद्योगिक इकाईयों को 500 हा०पा० तक के कनेक्टेड लोड पर पावर कट से छूट एवं पावर रिबेट तथा मिनीमम चार्जेज रिबेट की सुविधा राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त की जाती है ।

§द§ राज० लघु उद्योग निगम के माध्यम से औद्योगिक इकाईयों को कच्चा माल यथा लोहा इस्पात के आइटम्स, ग्रोमेट, पैराफीन वैक्स, पाम फैटाएसिड एवं कोयला आदि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है। इसके साथ ही निगम द्वारा लघु औद्योगिक इकाईयों के उत्पादों की बिक्री हेतु भी सुविधा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है ।

§य§ राज्य सरकार द्वारा एवं विभिन्न निगमों द्वारा खरीद प्रोग्राम के अंतर्गत लघु उद्योग इकाईयों को 15% तक या राजस्थान में स्थापित वृहद एवं मध्यम उद्योगों की इकाईयों के उत्पादों पर 3% तक मूल्य अधिमान §प्राईस प्रिफरेन्स§ सुविधा उपलब्ध कराई जाती है ।

xxxxxxx
xxxxx
xxx

-: अध्याय 2 :-

2.1 मानवीय संसाधन :-

वर्ष 1981 की जनगणना के आधार पर इस जिले की कुल जन संख्या 5.85 लाख है जिसमें 3.25 लाख (55.68%) पुरूष व 2.59लाख(44.32%) स्त्रियाँ हैं। जिले में ग्रामीण जनसंख्या 4,95,924 तथा शहरी जनसंख्या 89,035 है। जनसंख्या का घनत्व 194.42 व्यक्ति प्रति वर्ग किलो मीटर है। इस दृष्टि से यह भी जिला राज्य के पांचवे सबसे अधिक घनत्व वाले जिलों में से है। इस जिले में 0.89 लाख व्यक्ति तीन नगरीय क्षेत्रों में तथा 4.96 लाख व्यक्ति 562 गांवों में निवास करते हैं। नगरीय जनसंख्या का घनत्व 1771 व्यक्ति प्रति वर्ग किलो मीटर है। जब कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का दबाव केवल 167 व्यक्ति प्रति वर्ग किलो मीटर होता है। जिले में प्रतिहजार पुरूष 796 महिलाऐं हैं। यह जिला मुख्यत: कृषि प्रधान जिला है। जिसमें से 76.83% जन संख्या कृषि कार्य में कार्यरत है। जिसमें से कुलजनसंख्या का 28.43% मजदूर हैं। जिले की जन संख्या का व्यवसायिक वर्गीकरण निम्न - लिखित तालिका में दर्शाया गया है।

क्रमसं0	वर्गीकरण	ग्रामीण	नगरीय
1.	कृषक	122163	5264
2.	कृषक मजदूर	4709	763
3.	कुटीर एवं घरेलू उद्योग	2106	1198
4.	अन्य	14261	15375
	योग	143239	22600

इस जिले में कृषि एवं पशुपालन के अलावा मुख्यत: पत्थर एवं खनन का कार्य लुहारी, सुथारी, मिट्टी के बर्तन, चर्मरंगाई एवं जूते बनाना आदि कार्यों से अधिकांश व्यक्ति अपना जीविकोपार्जन करते हैं।

2.2 शिक्षित बेरोजगारों का वर्गीकरण :-

धौलपुर जिले में साक्षरता का प्रतिशत 21.80 है। जिसमें पुरूषों का प्रतिशत 32.07 है तथा महिलाओं का 8.17 है। नगरों में साक्षरता का प्रतिशत 38.68 है तथा गांवों में 18.77 है। जिले में धौलपुर मुख्यालय पर एक महाविद्यालय है। उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कुल सं0 7 तथा 20 माध्यमिक विद्यालय जिले में स्थापित हैं। धौलपुर जिले में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 98 है तथा 484 प्राथमिक विद्यालय स्थापित हैं।

तकनीकी शिक्षा की दृष्टि से नवोदित धौलपुर जिले में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी वर्ष 1984 से प्रारम्भ हो गया है जिसमें फिटर, वायर मैन एवं टेलरिंग के व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

धौलपुर जिले के बेरोजगार व्यक्तियों का नियोजनकार्यालय द्वारा किये गये पंजीयन अनुसार वर्गीकरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

क्रमसं0	वर्गीकरण	संख्या (30.6.85तक)
1.	स्नातकोत्तर	27
2.	स्नातक	401
3.	अधिस्नातक (हायर सैकण्डरी से अधिक)	233
4.	हायर सैकण्डरी व सैकण्डरी	2987

क्रमसं०	वर्गीकरण	संख्या §30.6.85तक§
5.	तकनीकी योग्यता :	
	अ- डिग्री	-
	ब- डिप्लोमा	25
	स- आई०टी०आई०	26
6.	विशिष्टयोग्यता प्राप्त §बी०एड०, एम०टी०सी०, पी०टी०आई०§	278
7.	अन्य	3370
	योग	7347

2.3 शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार योजना :

बेरोजगारों की गम्भीर स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने शिक्षित युवकों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 83-84 में एक योजना प्रारम्भ की जिसे शिक्षित बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार योजना का नाम दिया गया । इस योजना के अन्तर्गत कम से कम मैट्रिक §दसवीं पास§ एवं 18 से 35 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित की गयी है । इस योजना अन्तर्गत शिक्षित युवकों को स्वयं का उद्योग /व्यापार/ एवं सेवा कार्यों के लिए बैंक द्वारा 25000/- रु० की अधिकतम सीमा तक ऋण उपलब्ध कराया जाता है । तथा 25% अनुदान भी देय होता है । इस योजना के अन्तर्गत शिक्षित युवकों का चयन टास्क फोर्स समिति द्वारा किया जाता है । धौलपुर जिले में उक्त योजना के अन्तर्गत वर्ष ~~83-84~~ 83-84 एवं " " 84-85 की प्रगति निम्न प्रकार है :

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत वर्ष 83-84 व 84-85 की स्थिति § 30.6.85 तक §

	वर्ष 83-84	वर्ष 84-85
1. प्राप्त कुल आवेदन पत्र	896	~~584~~ 394
2. टास्कफोर्स द्वारा चयनित युवक	287	201
3. बैंकों को प्रेषित आवेदन पत्र	287	191
4. §अ§ बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृत संख्या	208	154
§ब§ बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋण राशि § लाख रु० §	30.91	29.74
5. बैंकों द्वारा ऋण वितरण		
§अ§ संख्या	148	107
§ब§ राशि § लाख रु० में§	20.52	11.30

उक्त योजना के अन्तर्गत बैंक शाखावार वर्ष 83-84 एवं 84-85 का विवरण क्रमशः सारणी संख्या 2.1 व 2.2 पर दर्शाया गया है ।

सारिणी सं० 2.1

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार योजना के अंतर्गत बैंकवार प्रगति
वर्ष 83-84§ 30.6.85 तक § राशि लाख रु०§

क्र०सं०	बैंक शाखा का नाम	स्वीकृत सं०	स्वीकृत राशि	वितरण सं०	वितरण राशि
	पंजाब नेशनल बैंक				
1.	धौलपुर	30	3.93	15	1.82

2. बाडी	10	1.04	10	1.08
3. सरमथुरा	4	0.40	4	0.40
4. सैपऊ	9	9.78	6	0.48
5. मनियां	3	3.34	1	0.07
6. मरैना	3	0.60	3	0.36
योग	59	7.09	39	4.21
स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर				
1. धौलपुर	40	8.22	38	7.68
2. बाडी	7	0.92	7	0.92
3. बसेडी	9	1.12	9	0.92
4. राजाखेडा	6	1.22	6	1.00
योग	62	11.48	60	10.52
भारतीय स्टेट बैंक				
1. धौलपुर	53	7.83	23	3.15
2. तसीमो	7	0.97	5	0.62
योग	60	8.80	28	3.77
बैंक आफ इण्डिया राजाखेडा	17	2.18	16	1.68
न्यूबैंक आफ इण्डिया बसईनवाब	10	1.36	5	0.34
योग	27	3.54	21	2.02
महायोग	208	30.91	148	20.22

सारिणी-2.2

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार योजना के अंतर्गत बैंक वार प्रगति
वर्ष 84-85 §30.6.85 §तक

क्रमसं0 बैंक शाखा का नाम	स्वीकृति सं0	स्वीकृति राशि (हजार)	वितरण सं0	वितरण राशि (हजार)
अ-पंजाब नेशनल बैंक				
1. धौलपुर	26	522	21	351
2. बाडी	19	318	12	57
3. मरैना	8	143	3	12
4. सैपऊ	7	130	6	6
5. सरमथुरा	2	35	1	4
6. मनियां	9	134	8	21
योग	71	1282	51	471

ब-स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर -

1. धौलपुर	17	361	14	107
2. बाडी	8	150	5	72
3. बसेडी	3	70	-	-
4. राजाखेडा	7	147	5	19
योग	35	728	24	198

स-भारतीय स्टेट बैंक

1. धौलपुर	18	389	16	240
2. तसीमों	13	263	6	82
योग	31	652	22	322

द-बैंक आफ इण्डिया	10	162	8	90
घ-न्यूबैंक आफ इण्डिया	5	100	-	-
र-हिन्दु० का म० बैंक	2	50	2	50
योग	17	312	10	140
महायोग	154	2974	107	1131

अध्याय -3

क्षेत्रीय संसाधन:

3.1 कृषि संपदा:-

इस जिले का प्रमुख व्यवसाय कृषि है । 2 लाख हेक्टेयर के कुल क्षेत्र में से लगभग 49% क्षेत्रमें खेतीकीजाती है । जिसमें मुख्यत: गेहूं, चना, जौ सरसों, तिलहन व ज्वार, बाजरा व दालों का उत्पादन कियाजाता है । उपज के आधारपर कृषि आधारित उद्योगों की काफी स्थापना हुई है । और वर्तमान में भी कृषि आधारित उद्योगों की इस जिले में काफी संभावनाऐं है जिन्सवार कृषि क्षेत्र एवं उत्पादन का विवरण निम्न प्रकार है :-

संसाधनों का वर्गीकरण §1980--81§

	कृषि की प्रमुख फसलें	कृषि क्षेत्र §हैक्टे0में§	उत्पादन§मै0टन§
	खरीफ कीफसलें:		
§1§	धान	1434	631
§2§	बाजरा	75110	52202
§3§	ज्वार	3383	2701
§4§	मूंगफली	943	417
§5§	तिल	1604	453
	रवि की फसलें :		
§1§	गेहूं	26762	72648
§2§	जौ	3070	7882
§3§	चना	12493	11833
§4§	सरसों व तारामीरा	20259	27564
§5§	अरहर	3515	1760

फल:-

कुल उपजाऊ क्षेत्र में से लगभग 1% क्षेत्र में फल एवं तरकारियों का उत्पादन किया जाता है । जिसमें आम, नींबू, अमरूद व विभिन्न प्रकार के फलों का उत्पादन प्रमुख है ।

3.2 पशुधन संपदा :-

वर्ष 1977 की पशुधन गणना के आधार पर जिले में पशुओं का वर्गीकरण एवं उनकी संख्या पंचायत समिति वार निम्न तालिका में दर्शायी गयी है । इस जिले में दूध देने वाली गाय व भैंसों कीसंख्या काफी अधिक है । जिसके आधार पर दुग्ध उत्पादन व दूध से निर्मित किए जाने वाले दार्थो जैसे पनीर, मक्खन व मिल्क पाउडर बनाने वाली इकाईयों की अच्छीसंभावनाऐं है । इसके अतिरिक्त जिले में चार चिलिंग प्लांट भी कार्यरत है । पशुधन आधारित दुग्ध उत्पादन के कार्यों में इसजिले के काफी व्यक्तियों को रोजगार मिला हुआ है ।

इस जिले मेंपशुधन काफी मात्रा में उपलब्ध होने के कारण दुग्ध उत्पादन इकाईयों के अतिरिक्त इस जिले में एक बोन मिल स्थापित किए

जाने की अच्छी संभावनाएं हैं तथा चमड़ा रंगाई व ... चप्पलों, बैग, बटुए आदि के उद्योगों की भी अच्छी संभावनाएँ हैं।

सारिणी :-

क्रमसं0 पशुधन वर्गीकरण	पंचायत समिति वार संख्या				
	धौलपुर	राजाखेड़ा	बाड़ी	बसेड़ी	योग
1• हल जोतने योग्य पशु	32014	10277	16589	18527	77407
2• दूध देने वाले पशु					
I• भैंस	25774	9795	17122	17819	70510
II• गाय	12059	5990	14238	20209	52496
III• अन्य (बकरी/मुर्गे/	14936	22309	12867	18792	68904
मुर्गियाँ)	2641	701	802	833	4977

•3 खनिज संपदा :-

भवन निर्माण का लाल पत्थर, चूने का पत्थर, व बजरी इस जिले के प्रमुख खनिज हैं। वर्ष 1981-82 में प्राप्त खनिज तथा उनसे हुई आय का ब्यौरा निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

क्रमसं0	खनिजों के नाम	उत्पादन (मे0टन)	खानों की सं0	प्राप्त हुई रायल्टी (लाखों रु0)
I•	सैण्ड स्टोन	722 80107	123	22•90
II•	खण्डा	1651	15	0•90
III•	लाईमस्टोन	10	10	0•14
	बजरी	--	1	0•05

उपलब्ध खनिजों के आधार पर इमारती पत्थर की वस्तुएं व स्टोन पॉलिशिंग व क्रशिंग के उद्योगों के पनपने की बहुत अच्छी संभावनाएँ हैं

3•4 वन संपदा :-

इस जिले में वनों का क्षेत्र सीमित है। फिर भी इस जिले की प्रमुख वन संपदा घास, तैंदू के पत्ते, गोंद व तारपीन तथा कत्था आदि है। औद्योगिक दृष्टि से यहां पर उपलब्ध विशेष किस्म की घास से घास उद्योग, मूजबान उद्योग तथा दोने पत्तल आदि कुटीर उद्योगों के पनपने की अच्छी संभावनाएँ हैं। जिले में वन संपदा के क्षेत्र का वर्गीकरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

क्रमसं0 पंचायत समिति का नाम	वन क्षेत्र (हैक्टेयर में)
1• धौलपुर	1365
2• राजाखेड़ा	285
3• बाड़ी	3545
4• बसेड़ी	4942

अध्याय 4:

विद्यमान आधारभूत सुविधायें :

4•1 रेल:-

इस जिले में ब्राड गेज तथा नैरो गेज रेल लाईनों की सुविधायें उपलब्ध है। यहाँ से आगरा, दिल्ली, बंबई तथा सभी प्रमुख स्थानों को जाने के लिए रेल सुविधा उपलब्ध है। ब्राड गेज की रेल लाईन की लंबाई20 किलो मीटर तथा तीन स्टेशन हैं। नैरो गेज रेल लाईन की लंबाई 65 किलो मीटर तथा इस पर बारह स्टेशन हैं।

4•2 सड़क :-

यह जिला सभी तहसील मुख्यालय तथा पंचायत समिति मुख्यालयों से पक्की सड़कों से जुड़ा हुआ है। इसके साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र से मुख्यालय पर आने जाने के लिए अधिकतर सड़क मार्ग उपलब्ध हैं। जिले में 28•59किलो मीटर राष्ट्रीय उच्चमार्ग जी०टी० रोड तथा 500किलो मीटर लंबाई की पक्की सड़के जिले में उपलब्ध हैं।

4•3 यातायात :-

जिले में रेल व सड़क दोनों माध्यमों से यातायात की अच्छी सुविधायें उपलब्ध है। निम्न ट्रांसपोर्ट कंपनियां इस जिले में कार्यरत हैं :-

1•सेठी ट्रांसपोर्ट कंपनी 2•सोढी ट्रांसपोर्ट कंपनी
3•मामा ट्रांसपोर्ट कंपनी 4•धौलपुर मनिया ट्रांसपोर्ट कंपनी

इनमें से प्रथम दो ट्रांसपोर्ट कंपनियां अन्तर्राज्यीय स्तर की हैं। यहाँ से राज्य परिवहन की बसों से एवं रेल पथ से यह क्षेत्र देश की सभी भागों से जुड़ा हुआ है।

4•4 दूर संचार:-

धौलपुर जिले में 7 टेलीफोन एक्सेज धौलपुर, बाडी, राजाखेड़ा बसेड़ी, सरमथुरा, मनिया व सरमथुरा में स्थित है। 16पी०सी०ओ०स्थापित हैं। कस्बा धौलपुर से आगरा के लिए सीधी टेलीफोन सुविधा उपलब्ध है इसकेअतिरिक्त 186 डाकघर व 10 तारघरों की सुविधा भी जिले में उपलब्ध है।

4•5 विद्युत:-

धौलपुर मेंविद्युत सुविधा समुचित रूप में उपलब्ध है। धौलपुर में 33 के०वी०, 11 के०वी०तथा एल०टी० लाईनें क्रमश: 490 किलो मीटर 285 किलो मीटर तथा 327 किलो मीटर लंबे क्षेत्र में फैली हुई हैं।

जिले में अब तक 130 गाँव विद्युतीकृत है §तालिका संलग्न है §इनके अतिरिक्त 72 हरिजन बस्तियों को भी विद्युत उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। कृषि क्षेत्र में 990 कूंओं को विद्युती कृत किया जा चुका है। धौलपुर में एच•टी• उपभोक्ता तीन तथा अन्य उपभोक्ताओं की संख्या 8800 है।

4•6 सिंचाई के साधन एवं पेय जल उपलब्धि:-

धौलपुर जिले का अधिकांश कृषि योग्य क्षेत्र वर्षा पर आधारित है। इस जिलेमें मुख्य सिंचाई के साधन कूंए, नहरें तथा तालाब हैं :

जिनसे क्रमश: 67%, 17% एवं 16% क्षेत्र सींचा जाता है । जिले में सिंचाईकी प्रमुख योजना मारवती बाँध परियोजना है। जिले में उपलब्ध पेय जल साधनों का विवरण निम्न प्रकार है :

ललितपुर जिले में उपलब्ध पेय जल सुविधाओं का विवरण-

क्रमसं0	योजना व गांवों के नाम		क्षमता
1.	अरबन वाटर सप्लाई स्कीम	ललितपुर	12.00लाख गैलन
2.	" "	बाडी	4.00 " "
3.	" "	राजाघोडा	3.50 " "
4.	रूरल वाटर सप्लाई स्कीम	कलेडी	0.60 " "
5.	" "	सरमथुरा	0.40 " "
6.	" "	मनिया	0.30 " "
7.	" "	मांगरोल	0.30 " "
8.	" "	जसुपुरा	0.20 " "
9.	" "	सैपऊ	0.30 " "
10	" "	कसोंमो	0.30 " "
11.	" "	नवालखाई	0.60 " "
12.	" "	छावनी	0.20 " "
13.	" "	पचगाव	0.30 " "
13.	" "	गोरोली	0.40 " "
15.	" "	सलेमपुर	0.40 " "

विद्युतीकृत गांवों को सूची सहायक अभियन्ता खण्ड ललितपुर

क्रमसं0	गांवों के नाम	क्रमसं0	गांवों के नाम
1.	ललितपुर	2.	जिरोली
3.	तगावली	4.	पुरानी छावनी
5.	पि कसरोदा	6.	मनियां
7.	मांगरोल	8.	छोरली
9.	पचगांव	10.	दुवाटी
11.	हिनोता	12.	सैपऊ
13.	विन्तोपुरा	14.	दुलारा
15.	विरोधा	16.	कसईनवाल
17.	कसोंमो	18.	तरावठ
19.	सिरहेरा	20.	दोनारी
21.	सियापुरा	22.	जलालपुर
23.	जसुपुरा	24.	सिपरोआ
25.	कसईनडेम	26.	बोछिया
27.	रूपरायन	28.	गोडापुर
).	मालेपुर	30.	बाडी
31.	सलेमाबाद	32.	महाराजपुर
33.	उमरेह	34.	छानपुर मोना

35.	सहेडी	36.	निहोरा
37.	कोसोटीपुरा	38.	अहमदपुर
39.	ओरहो	40.	उहा तली
41.	सिंगरोई	42.	दोडी
43.	गढी तिगानिया	44.	नगरा दरभेना
45.	रामपुर	46.	झोर
47.	रजोराकला	48.	नुनोपुर
49.	सरमथुरा	50.	कोट
51.	डुगई	52.	विरोनी
53.	तरोली	54.	करोमपुर
55.	देवपुरा	56.	गढी चटोला
57.	जगरियापुरा	58.	रयैना

विद्युतीकृत गांवों की सूची सहायक अभियन्ता खण्ड राजाखेडा

क्रमसं०	गांवों के नाम	क्रमसं०	गांवों के नाम
1.	बाजना	2.	बैठा
3.	सिलावट	4.	भगवानपुर
5.	छुडिला	6.	चमरपुरा
7.	सामलियापुरा	8.	नाहिला
9.	कसईदयाराम	10.	कुमरपुरा
11.	सदरपुर	12.	डिडनार
13.	हरनाकापुरा	14.	गोंदपुरा
15.	उमरैठा	16.	छानपुरा
17.	शोभापुर ब्राह्मण	18.	सिढावली
18.	नागर	20.	गन्हैदर
21.	अजीतापुरा	22.	सिकरोदा
23.	देवखेडा	24.	गढरा जोभावत
25.	नोगदाडा	26.	रनछोर का पुरा
27.	गढी डिडावली	28.	डरावली
29.	नदौरा	30.	सामलियापुरा नादौली
31.	गढी करीमपुर	32.	वघारपुर
33.	खोपली	34.	गिठावली
35.	जैतपुर	36.	जाख
37.	दिहोली	38.	इन्द्रावली
39.	मैंहदपुर	40.	गढई
41.	शोभापुर गुजरान	42.	कठूमरा
43.	मकरपुरा	44.	दान
45.	गोपालकापुरा	46.	त्रिधारी
47.	मोरापुर	48.	लालपुर
49.	अतरौली	50.	शोभापुर
51.	कसईकारे	52.	तिरौली
53.	ढवरेह	54.	गडराई
55.	करकाखोरली	56.	भैना
57.	मछरिया	58.	आगरकापुरा

59.	टोकेतपुर	60.	गुनपुर
61.	कठूमरी	62.	भूडा
63.	छोतापुरा	64.	पथरोहा
65.	बागर	66.	जरगाड
67.	रनछोर का पुरा	68.	बपई का विलास
69.	गढी जाफर	70.	पहाडी
71.	माहारीकापुरा	72.	मरैना

4.7 वित्तीय संस्थाऐं:-

हारौनपुर जिले की अग्रणी बैंक पंजाब नेशनल बैंक है। वर्तमान में 15 व्यावसायिक बैंक, 9 ग्रामीण आंचलिक बैंक, 2 केन्द्रीय सहकारी बैंक तथा 4 भूमि विकास बैंक कार्यरत है। इनके अतिरिक्त जिला स्तर पर राजस्थान वित्त निगम की शाखा भी कार्यरत है। विभिन्न वित्तीय संस्थाओं की सूची निम्न प्रकार है -

क्रमसं0	वित्तीय संस्थाओं के नाम	शाखाओं के स्थान
1.	पंजाब नेशनल बैंक	हारौनपुर, मनियां बाडी, सरमथुरा, सैपऊ, मरैना।
2.	स्टेट बैंक आफ इण्डिया	हारौनपुर, तसीमो।
3.	स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर	हारौनपुर, राजाखेडा, बाडी, बसेडी।
4.	न्यू बैंक आफ इण्डिया	कसईनबाद।
5.	बैंक आफ इण्डिया	राजाखेडा।
6.	दी हिन्दुस्तान कामर्शियल बैंक लि0	हारौनपुर।
7.	अलवर, भरतपुर आंचलिक ग्रामीण बैंक	हारौनपुर, आंगई, जारगा, कंचनपुर, खानपुर मीणा, जमूपुरा, सखवारा, आसकापुरा, सेमरपुर।
8.	सहकारी भूमि विकास बैंक लि0	हारौनपुर।
9.	दी भरतपुर सेन्ट्रल को0 बैंक लि0	हारौनपुर, बाडी।
10.	राजस्थान वित्त निगम	हारौनपुर।

4.8 प्रशिक्षण सुविधायें :

जिले में ट्रायसम योजना के अन्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण केन्द्र चलाए जारहे हैं। इसजिले में इस योजनाके अन्तर्गत वर्ष 83-84 एवं 84-85 में क्रमश: 550 एवं 444 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया है। जिसके फलस्वरूप लघुउद्योगों को कुशल कारीगर मिलने में सहायता मिली है। तथा कुछ प्रशिक्षणार्थी प्राप्त व्यक्तियों ने अपने स्वयं के रोजगार भी स्थापित किये हैं। जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में काफी वृद्धि हुई है।

इसके अतिरिक्त इस जिले में केवल हाटा विद्यापीठ नोयडा के माध्यम से उद्योग विभाग द्वारा महिलाओं के लिए हाथ उद्योग योजना में लेदर रेगजीन एवं ऊनी होजरी बुनाई का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इस संस्था द्वारा ट्रायसम योजना के अन्तर्गत भी सिलाई, बुनाई के प्रशिक्षण केन्द्र चलाए जा रहे हैं।

हमीरपुर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की भी स्थापना हो गयी है जिसमें फिटर, वायर मैन एवं टेलरिंग व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है इसके अतिरिक्त इस संस्थान द्वारा ट्रायसम योजना में जनरल मैकेनिक, हाउस वायरिंग एवं मोटर वाइण्डिंग में 6 माह का प्रशिक्षण दिया जाता है।

4.9 औद्योगिक क्षेत्र:-

"रीको" द्वारा हमीरपुर मुख्यालय एवं बाडी में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए गए हैं। हमीरपुर मुख्यालय के औद्योगिक क्षेत्र में कुल 30 भूखण्ड हैं जिन्हें औद्योगिक इकाईयों को आवंटित किया जा चुका है। हमीरपुर में उपक्रमियों को औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए औद्योगिक भूमि की अत्यन्त आवश्यकता है। जिसके लिए ओडेला के पास जी0टी0रोड पर 118 बीघा 3 बिस्वा भूमि को औद्योगिक क्षेत्र हेतु निश्चित कर दिया गया है। जिसमें विकास कार्य रीको द्वारा प्रारंभ किये जाने हैं।

बाडी कस्बे में तालाब शाही नामक स्थान पर औद्योगिक स्थान की स्थापना हो चुकी है। इसका क्षेत्रफल 15.59 एकड है, जिसमें से 13.61 एकड क्षेत्र के प्लाट काट कर आवंटित किए जावेंगे। इस औद्योगिक क्षेत्र में विकास कार्य [यथा बिजली, पानी एवं सडक] कराए जा रहे हैं। और आगामी तीन चार वर्षों में इस क्षेत्र में औद्योगिक इकाईयां स्थापित होने की पूर्ण संभावना है

4.10 विपणन:-

उद्योगों के उत्पादों के विपणन की व्यवस्था अधिकांशत: उपक्रमियों द्वारा ही की जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दस्तकारों द्वारा अपने उत्पादों की बिक्री साप्ताहिक हाट एवं पशु मेलों में की जाती है। जिले में एक प्रदर्शनी भी नारद मेला के नाम से दीपावली से पूर्व प्रति वर्ष हमीरपुर मुख्यालय पर लगती है। जिसमें स्थानीय उद्योगों के उत्पादों की काफी बिक्री होती है।

जिले में विपणन के लिए संगठित रूप से कोई भी संस्था नहीं है। खादी ग्रामोद्योग समिति द्वारा उत्पादित कराए गए माल की व्यवस्था खादी भंडार के माध्यम से की जाती है। ग्रामीण उद्योगों के विपणन हेतु पंचायत समिति स्तर पर ग्रामीण विपणन केन्द्र स्थापित किए जाने चाहिए अथवा निजी व्यवसायी को स्थानीय लघु एवं ग्रामीण उद्योगों की वस्तुओं की बिक्री हेतु एक विशेष अनुदान उपलब्ध होना चाहिए। जैसा कि उद्योग स्थापित करने हेतु उद्यमी को 15% विनियोजन अनुदान दिया जाता है। यह कार्य सहकारी समिति एवं अन्य संस्थानों के माध्यम से भी कराया जा सकता है। लेकिन निजी व्यवसायी के मुकाबले अन्य संस्थान /सहकारी समिति की पूर्ण अपेक्षित रूचि नहीं लेती है। अत: विपणन हेतु अनुदान योजना निजी व्यवसायियों के माध्यम से क्रियान्वित की जा सकती है।

4.11 कच्चामाल :-

जिले के पंजीकृत लघु औद्योगिक इकाईयों के कच्चेमाल की आगामी वर्षों के अनुमानित मांग का ब्यौरा निम्न तालिका में दर्शाया गया है -

क्रमसं० कच्चेमाल का वर्गीकरण	83-84	84-85	85-86	86-87	87-88
अ§ लोहा व इस्पात के आईटम्स मै०ट० :					
1. जी०पी०शीट§0.80से 0.40एमएम	60	60	65	65	75
2. सी०आर०बी०पी०शीट §1.60 से 0.63एमएम§	10	10	12	12	15
3. एच०आर०बी०पी०शीट § 1.60से 0.63एमएम§	50	50	55	55	60
4. एम०एस०राउण्ड्स§12से32एमएम§	15	15	20	20	25
5. एम०एस० प्लेट§5से16 एमएम§	10	10	12	12	15
6. एम०एस०एंगल§35x35x5/6से 50x50x5/6§	10	10	12	12	15
7. चैनल §75x40से 150x75§	6	6	10	10	15
8. फ्लैट§50x12 से 100x25§	10	10	12	12	15
9. एमएसवायर	3	3	5	5	5
10. जी०सी०शीट	10	10	12	12	15
ब§कोयला - वैगन में					
1. स्टीम कोल	22	22	25	25	30
	वै०प्र०मा०				
2. हार्ड कोक	2	2	2	2	2
3. स्लैक कोल	1	1	2	2	3
स§ सीमेंट	10	10	10	10	15
	मै०ट० प्रति त्रैमास				
द§फैटी एसिड	60	60	60	65	80
	ड्रम वार्षिक				
य§पैराफीन वैक्स	5	5	5	5	10
	मै०ट० वार्षिक				

4.12 <u>उद्योग कर्मी विकास:-</u>

जिला उद्योग केन्द्र द्वारा रीको, राजस्थान वित्तनिगम, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, व्यवसायिक बैंको एवं लघु उद्योग सेवा संस्थान के अधिकारियों के सहयोग से जिले के विभिन्न तहसील व पंचायत समिति स्तर पर कैम्पों का आयोजन किया जाता है। जिसके अन्तर्गत उत्साहित उद्यमियों का चयन, उनको सम्भावित उद्योग के बारे में सलाह, आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने, प्रोजेक्ट रिपोर्टतैयार करवाना, विभिन्न वित्तीय संस्थाओं से ऋण उपलब्ध कराना तथा उत्पाद के बिक्री हेतु मार्गदर्शन /सहयोग कराने की कार्यवाही की जाती है।

xxxxxx
xxxx
xx

इन्फ्रास्ट्रक्चर :

अ. विद्युत

ग्रामीण विद्युतीकरण

1. उन गांवों की संख्या जहां विद्युतीकरण हो चुका है। (मार्च 82)	12	10	24	79	125
2. अतिरिक्त गांव जिन्हें विद्युतीकृत किया जाना है। (वर्ष 85)	9	11	9	6	35

ब. रोड एवं दूर संचार (83-84)

1. कुल सडकों की लम्बाई					
वर्तमान	–	–	–	–	419.19 कि. मी.
अतिरिक्त (1985)	12 कि. मी.	32 कि. मी.	37 कि. मी.	12 कि. मी.	93 कि. मी.
2. कुल बिना कोलतार सडक की लम्बाई।					
वर्तमान	–	–	–	–	58.3 कि. मी.
अतिरिक्त (1985 में)	–	–	–	–	–
3. कुल कच्ची सडकों की लम्बाई।					
वर्तमान	–	–	–	–	214.8 कि. मी.
अतिरिक्त (85 में)	–	–	–	–	–
4. कस्बों/गांवों की सं० पक्की सडकों से जुडे	6	7	6	12	31
5. रेल्वे ट्रेक की कुल लम्बाई					
वर्तमान	–	–	–	–	11 कि. मी.
6. पोस्ट आफिस/गांवों की संख्या (83-84)					
1. पोस्ट आफिस	50	32	57	[illegible]	18[illegible]
2. गांव	120	123	218	77	538
7. टेलीग्राफ आफिस / गांव (83-84)					
टेलीग्राफ आफिस	2	3	9	2	16
गांव	125	128	159	141	553

8. एरिये का विभाजन

(83-84) हेक्टेयर में

(कुल क्षेत्रफल का % कोष्टक में)

1. कुल क्षेत्रफल	81022	99804	81370	38702	300898
2. नेट कृषि योग्य क्षेत्र	28944 (35.72)	28070 (28.12)	57019 (70.07)	[illegible] (65.1[illegible])	139253 (46.27)
3. चालू पडत	6135 (7.57)	8142 (8.16)	4341 (5.33)	1[illegible]3 (4.57)	20386 (5.78)

1. 2.	3.	4.	5.	6.	7.
4.वनक्षेत्र	3545 (4.37)	4922 (4.93)	2444 (3.00)	296 (0.76)	11207 (3.73)
4-सिंचाई					
1.सिंचित क्षेत्र	8385	12202	28166	7226	55931
2.बोए हुए सिंचित क्षेत्रका प्रतिशत	28.96%	43.47%	49.4%	28.65%	40.20%
3.सिंचाई के साधन					
अ .सरकारी ट्यूब वैल	[illegible]	–	–	–	–
ब-निजी ट्यूब वैल	4580	5210	15169	7244	32203
स-अन्य कूए (सादे,बोरिंग)					
द- नहरे	2576	6023	7347	–	15946
य-अन्य	1863	1090	6043	–	8996
5-फसलों के प्रकार (83-84) (हेक्टेयर में)					
1.दो या दो से अधिक फसलीय क्षेत्रफल	6111	8743	13303	5714	33876
2.कुल बोए गए क्षेत्रका क्षेत्रफल	18.92%	30.69%	22.55%	22.53%	23.48%
3.कुल फसलीय क्षेत्र	35055	36813	70327	30934	173129
4.मुख्य प्रमुख फसलों का क्षेत्र					
1.बाजरा	13449	11213	24836	11661	61159
2.गेहूं	4826	7433	13514	3858	29635
.चना	2910	3211	6795	3395	16311
4.सरसों	6603	7314	12585	4971	31473
5.तारा	942	613	1743	2095	5393
6-जमीनों के नाप (83-84)					
एक हैक्टेयर से कम	10474	9739	14654	7974	42841
एक व दो हैक्टे0से कम	1593	4563	7020	3718	20494
दो व चार " के बीच	4113	3809	6257	2735	16914
चार व दस " के बीच	1117	1838	3163	1225	7343
दस हैक्टेयर एवं उससेअधिक	37	217	289	62	605
7-रासायनिक खाद का उपयोग (टनों में 83-84)					
एन0	560	585	610	595	2350
पी0	70	78	120	80	352
के0	14	15	18	14	61
प्रति हैक्टेयर रासायनिकखादों का सिंचित क्षेत्रमें उपयोग कि.ग्रा	25	25	25	25	–
प्रति हैक्टेयर में औसतन उपयोग कुल फसली क्षेत्र में कि0ग्रा0में	15	15	15	15	–

/20/

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
8-कृषि उपकरण						
(1983)						
1. ट्रैक्टर की सं०		102	63	407	93	665
2. शक्ति चालित हल		10	1	33	9	53
3. पम्पसेट						
I. आयल इंजन		1682	1862	4511	380	8435
II. विद्युत मोटर		31	12	165	475	683
4. पावर थ्रेशर		86	72	395	272	825
9-पशु-						
1. जोतने वाले पशु		23942	30885	34800	12365	101992
2. दूध देने वाले पशु						
- भैंस		28346	33012	54020	17583	132951
-गाय		19140	29328	14060	7206	69734
- अन्य (बकरी आदि)		28935	29825	42050	21854	122664
3-मुर्गियां		1028	2035	2794	935	6792
4. अन्य (सूअर बंदर आदि)		10072	11272	21301	7413	50058

10-मार्केट

अ-नियमित मण्डी/बाजार सं०	1	सबयार्ड	1 एम०यार्ड 1 सबयार्ड (मनियां)	सबयार्ड	
ब-मण्डी/बाजारों से जुड़े गांव	157	123	301	-	581
स-मण्डी में आमद(000 कि०) (83 4)	-	-	-	33	7.8
द- सहकारी क्रय विक्रय समितियां	1	1	1	-	3
य- मुख्य वस्तुओं का व्यवसाय					
कपड़ा एवं अन्य आईटम	39 लाख	31 लाख	6 लाख	-	-
फर्टिलाईजर, बीज, कीटनाशक	1 लाख	5 लाख	4 लाख	-	-
2-ग्रामीण मण्डियां एवं साप्ताहिक बाजार की सं.	-	-	-	-	-
3. सहकारी/कृषि विभागों के बीच गोदामों की सं०	1	1	1	1	4
4. खाद के प्राईवेट डीलर सं.	7	7	25	8	47
मात्रा	390	408	508	413	1719
11-बैंक कार्यालय					
अ-स्टेट बैंक ग्रुप	1	1	2	1	5
ब-अदर पब्लिक सेक्टर बैंक	1	1	4	2	8

1. 2.					
स–क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक	1	3	2	1	7
द– ए0डी0बी0	–	–	1	–	1
य–अन्य	–	–	1	–	1
र–कापरेटिव बैंक कार्यालय सं0					
–जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक	1	–	1	–	2
–भूमि विकास बैंक	1	1	1	1	4
–शहरी सहका0 बैंक	–	–	–	–	–
12–<u>सहकारिता</u>					
1. प्राथमिक कृषि ऋण दात्री समितियाँ	20	19	40	17	95
2. पूर्ण कालीन सचिव वाली समितियाँ	1	2	2	1	6
3. स्वयं की गोदाम सुविधा रखने वाली समितियाँ	3	9	3 (हायर्ड22)	4	19 (हायर्ड22)

13–<u>अन्य सूचनाएं</u>

1. ग्रोथ सेन्टर्स योग्य गाँव — उमरेह, लरौली, सैमरु, नगरोई, रहौरा, रावतपुर, पनियरा, औरंली, जमालो, सलेमपुर, [illegible], हथकारा, क्षेडी, नारौली, बाजार, वोरौनी, बसईन, सरनथुरा, [illegible]

2. केन्द्रों के नाम जहाँ बैंक शाखाएँ विचारार्थ हैं — डांगबसई, हार, सरानोखेड़ा, जटौली, हरीमरी, बरौली, करीमपुर, गुनपुर, उमरेह, वागथर, गुडावारा, खानपुर, गोविन्दगढ़, गीत, त्रिदरका, बारौली, नादनपुर

3. पुलिस स्टेशन/चौकियों की सं0	3 (पीएस) 2 (पीसी)	2 (पीएस) 2 (पीसी)	2 (पीएस) 6 (पीसी)	1 (पीएस) 3 (पीसी)	8 (पीएस) 13 (पीसी)
4. अस्पतालों की सं0	1	–	1	–	2
5. प्राथमिक स्वा0 केन्द्र	1	1	1	1	4
6. स्कूलों की सं0	145	128	161	37	561

अध्याय - 6

6.1 वृहद एवं मध्यम उद्योग :

धौलपुर जिले में वृहद एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र में औद्योगिक इकाई मै0 राजस्थान एक्सप्लोसिव एण्ड केमिकल्स लि0 एवं दो गंगानगर शुगर मिल्स लि0 (हाईटैक ग्लास डिवीजन) धौलपुर कार्यरत हैं। वर्तमान में आर0ई0 एस0ओ0एल0 द्वारा डिटोनेटर एवं डिटोनेटिंग फ्यूज का उत्पादन किया जाता है। इस उद्योग के आधार पर धौलपुर जिले में निम्न वस्तुओं के लिए सहायक उद्योग स्थापित किये जाने की संभावना है - 1. रोल्स, 2. वुडनपैकिंग केस 3. सी0वी0आईनर्स एवं 4. नाईलोन स्ट्रिप्स इत्यादि। मै0 गंगा नगर शुगर मिल्स लि0 (हाईटैक ग्लास डिवीजन) धौलपुर - द्वारा मुख्यत: कांच की बोतलों का निर्माण किया जाता है। उक्त दोनों इकाईयों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है - (1.6.83 की स्थिति)

क्रमसं0 नाम इकाई व पता	क्षमता	विनि0	नियो0	उत्पादन	उत्पाद
1. मै0 राजस्थान एक्सप्लोसिव केमीकल्स लि0 धौलपुर।	15 मिलो. डेटोनेटर्स	600 ला. रू0	160	102.97 लाख	डेटोनेटर्स
	10 मिलय. मी0 डेटोनेटिंग फ्यूज			20.32 लाख	डेटोनेटिंग फ्यूज
2. मै0 दी गंगानगर शुगर मि. लि0 (हाईटैक ग्लासडिवीजन) धौलपुर	3400 मै0 टन ग्लासवेयर	4.93 लाख	400	1 करोड	वैज्ञानिक ग्लास उपकरण एवं कांच का अन्य सामान

6.2 पंजीकृत लघु उद्योग :

वर्ष 83-84 में 130 तथा वर्ष 84-85 में 132 लघु उद्योग एवं आर्टीजन इकाईयों का पंजीकरण उद्योग विभाग द्वारा किया गया। 31 मार्च 85 तक जिले में पंजीकृत इकाईयों की कुल सं0 949 हो गयी। इनका उद्योग वार विवरण संलग्न तालिका सं0 में दर्शाया गया है। जिले में पंजीकृत लघु उद्योगों में मुख्यत: कृषि आधारित उद्योग हैं यथा तेल मिल, दालमिल, ज्वार मिल आदि इसके अतिरिक्त वुडन फर्नीचर, लोहा एवं इस्पात पर आधारित इकाईयां, रिपेयरिंग वर्कशाप आदि हैं।

जिले में खनिज पर आधारित उद्योगों में स्टोन पोलिशिंग एवं कटिंग के उद्योग भारी काफी संख्या में स्थापित किये जा रहे हैं। पशुधन पर आधारित औद्योगिक इकाईयों में मुख्यत: चर्मजूता निर्माण एवं चर्म रंगाई की छोटी छोटी - इकाईयां हैं।

6.3 घरेलू एवं दस्तकार उद्योग

जिले की पंजीकृत 949 इकाईयों (मार्च 85 तक) में से 550 इकाईयां दस्तकार इकाईयों के रूप में पंजीकृत हैं। औद्योगिक इकाईयों के सर्वेक्षण के समय वर्ष 78-79 में घरेलू उद्योग एवं दस्तकार इकाईयों का भी सर्वेक्षण किया गया था। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न पंचायत समिति क्षेत्रों में लगभग 1983 व्यक्ति घरेलू घरेलू एवं दस्तकारी के विभिन्न कार्यों में लगे हुए हैं। अधिकांश दस्तकार लुहारी, सुथारी, मूंजबान, चर्मरंगाई व चर्मजूता बनाने में कार्यरत हैं।

जिला उद्योग केन्द्र, हमीरपुर

जिले में 31 मार्च ,85 तक पंजीकृत उद्योगों का विवरण ।

क्रमसं० उद्योग का नाम	संख्या	राशि (रू०ला०) (विनियोजन)	नियोजन
1• लकड़ी उद्योग	73	7•80	210
2• प्रिंटिंग प्रेस	6	1•30	30
3• लोहे के कृषि उपकरण व अन्य सामान	55	8•60	275
4• दाल मिल	5	5•10	32
5• हाथ करघा उद्योग	30	0•90	60
6• एम्ब्रायडरी व वुलन कारपेट	29	1•80	232
7• आईस कैण्डी आईस प्लांट	7	8•50	35
8• बेकरी कन्फेक्शनरी	4	0•[illegible]0	[illegible]5
9• रेडियो एवं इले०एवं वाच रिपे०	6	0•40	16
10• मोम व केमिकल व ग्लासउद्योग	15	1•30	90
11• नोट बुक एवं स्टेशनरी	3	1•20	15
12• मेडीसन्स	3	0•80	6
13• एल्यूमी०के बर्तन	1	5•20	15
14• स्टोन पोलिशिंग	4	1•60	16
15• ब्रिक्स	1	0•20	12
16• चूना उद्योग	2	0•20	8
17• इंजी०व वर्कशॉप	52	6•50	105
18• तेल मिलव आटा चक्की	51	7•20	[illegible]00
19• चर्म उद्योग	181	10•90	362
20• रेशा उद्योग	45	1•50	90
21• कुम्हारी उद्योग	61	0•90	120
22• अन्य उद्योग	51	5•60	150
योग	687	77•90	2095
वर्ष 83-84 में पंजीकृत लघु उद्योग इकाईयां	130	47•70	415
वर्ष 84-85 में पंजीकृत लघु उद्योग इकाईयां	132	26•60	400
कुल योग	949	152•20	2910

— 24 —

6.4 खादी एवं ग्रामोद्योग :-

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के अधिकांश व्यक्ति परम्परागत ग्रामीण उद्योगों को अपनाकर बेकारी एवं अर्द्ध बेकारी की समस्या पर काबू पाने में सहायता करें। यह इस बात पर निर्भर है कि ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों का संगठित विकास किया जावे। इसी उद्देश्य से गृह इकाईयों को चार प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। बोर्ड द्वारा चयनित उद्योगों के लिए निश्चित पैटर्न के अनुसार पूंजीगत एवं कार्यकारी पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है - क॥ छोटी इकाईयां-

क्रमसं0	नाम उद्योग	इकाई	खादी बोर्ड ऋण	खादी बोर्ड अनुदान	डी0आर0डी0ए0 अनुदान	कुल योग
1.	चर्म उद्योग	रंगाई	2250	750	1500	4500
2.	,,	जूता (छोटा)	550	50	500	1100
3.	,,	,, (बड़ी)	1250	250	1000	2500
4.	रेशा	बाण मशीन	775	275	500	1550
5.	सुथारी	व्यक्तिगत	1100	600	500	2200
6.	लुहारी	,,	1700	1200	500	3400
7.	अनाज दाल प्रशो.	,,	500	250	250	1000
8.	बांस बेंत	,,	600	100	500	1100
9.	मसाला पिसाई	,,	2000	500	1500	4000
10.	चूना भट्टा		2500	-	2500	5000
11.	कुम्हारी	व्यक्तिगत	1950	1437.50	512.50	3900
12.	ईंट भट्टा	व्यक्तिगत	2500	--	2500	5000
13.	कुम्हारी	शैलाचाक	1531	1531	-	3062

ख॥ बड़ी इकाईयां

क्र0सं0	नाम उद्योग	इकाई	सहायता विवरण पूंजीगत ऋण	सहायता	कार्यकारी	कुल योग
1.	तेल	पावर घाणी	11075	375	10000	21450
2.	,,	बैल घाणी	1375	1375	2500	5250
3.	साबुन	व्यक्तिगत	3000	3000	10000	16000
4.	चूना	भट्टा (अ)	6000	500	5000	11500
5.	,,	आर्ट पेपर	--	--	10000	10000
6.	,,	हालो ब्लाक	14000	1500~~0~~	3000	18500
7.	,,	छोटी इकाई	1150	1150	3000	5300
8.	चर्म	फुट वीयर	4700	-	12000	16700
9.	लुहारी सुथारी	लुहारी पा.	10000	-	5000	15000
10.	,,	सुथारी पा.	10000	-	5000	15000
11.	एल्युमिनियम	व्यक्तिगत डी-टाईप	7500	-	-	7500
12.	,,	सी-टाईप	52000	-	-	52000

बोर्ड द्वारा दिये गये ऋण की अदायगी निम्न प्रकार से की जाती है ।

1. पूंजीगत ऋण राशि की वसूली दो साल के पश्चात् चार बराबर किश्तों में की जाती है ।

2. कार्यकारी ऋण की वसूली 3 साल के पश्चात् तीन वार्षिक किश्तों में की जाती है ।

धौलपुर जिले में खादी ग्रामोद्योग के अन्तर्गत निम्न प्रकार ऋण व अनुदान उपलब्ध कराया गया - ऋण व अनुदान राशि का विवरण ।

वर्ष	स्वीकृत इकाईयाँ	ऋण (लाख रु० में)	अनुदान (लाख रु० में)
81-82	149	2.73	0.42
82-83	146	2.12	0.42
83-84	109	2.57	0.62
84-85	141	3.16	0.69

अध्याय- 7

सम्भावित उद्योग -

7.1 सम्भावित उद्योग का विवरण-

जिले में संसाधन एवं मांग को दृष्टिगत करने पर स्पष्ट होता है कि जिले में औद्योगिक विकास की काफी सम्भावनाएँ हैं। कृषि प्रधान जिला होने के कारण इस जिले में सिंचाई के साधन एवं उन्नतबीजों तथा उर्वरकों का प्रयोग बढ़ने के कारण और कृषि के मशीनीकरण होने से यहां पर कृषि उपज में भारी काफी वृद्धि हो रही है। जिसके आधार पर इस जिले में कृषि आधारित उद्योगों के विकास की काफी सम्भावनाएँ हैं। इसके साथ साथ जिले में पशुपालन व्यावसायिक दृष्टि से किया जाने लगा है अतः पशुधन आधारित उद्योगों की सम्भावना बढ़ गयी है। जिले में लाल एवं सफेद सैण्ड स्टोन काफी मात्रा में सरमथुरा क्षेत्र में काफी मात्रा में उपलब्ध है जिसका उपयोग प्राचीन काल से भारत के प्रमुख शहरों में भवन निर्माण हेतु किया जाता रहा है। लाल एवं सफेद पत्थर की घिसाई का कार्य अब धौलपुर जिले में ही किया जाने लगा है। उपलब्ध खनिज साधनों के आधार पर पत्थर घिसाई, स्टोन वेयर्स, चूना भट्टा आदि उद्योगों के विकास की इस जिले में काफी गुंजाईश है।

7.2 पंचायत समिति वार सम्भावित उद्योगों का क्षेत्रवार विवरण

क्रमसं० उद्योगों का वर्गीकरण	प्रमुख उत्पाद	पं०स० क्षेत्र में उपयुक्त स्थान
1. कृषि आधारित	1. तेल मिल, पावरघाणी, 2. आयल रिफाइ० 3. दालमिल, दाल प्रोसेसिंग, 4. आटा पिसाई रोलर फ्लोर मिल 5. बेकरी, 6. कनफैक्शनरी 7. अचार मुरब्बा, चटनी 8. पापड़ मंगोड़ी। 9. पशुआहार, 10. मसाला पिसाई।	धौलपुर (धौलपुर, मनियां करीमपुर, पुरानी छावनी बसईनवाब) बाड़ी (बाड़ी उमरेह, कंचनपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरेना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, बरौली, आंगई एवं समस्त जिला।
2. वनआधारित	1. लकड़ी का फर्नीचर, खुदाई, 2. आरा मशीन 3. लकड़ी के कृषि उपकरण 4. मैंसर बुनाई 5. मूंजबाण, मुड्डे, बांस की टोकरी, पंखे आदि 6. पैकिंग केसेज 7. खिड़की (लकड़ी) दरवाजे 8. दोना पत्तल, 9. स्ट्रा बोर्ड 10. आयुर्वेदिक दवाएँ एवं दंत मंजन	धौलपुर (धौलपुर मनियां करीमपुर, पुरानी छावनी, बसईनवाब) बाड़ी (बाड़ी उमरेह, कंचनपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरेना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, बरौली, आंगई)
3. पशुधन आधारित	1. बोन मिल, 2. दूध का पाउडर व दुग्ध उत्पाद, 3. चर्मजूते 4. चर्म रंगाई 5. चमड़े के घरेलू एवं अन्य सामान 6. पोल्ट्री फार्म 7. सेमी मैकनाईज्ड टैनरी 8. ग्लू एवं जिलेटिन	धौलपुर (धौलपुर, मनियां करीमपुर, पुरानी छावनी बसईनवाब) बाड़ी (बाड़ी उमरेह, कंचनपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरेना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, बरौली, आंगई) एवं समस्त जिला।

/27/

टैक्सटाईल आधारित –

1. हथकरघा, 2. दरी पट्टी बुनाई 3. पावर लूम 4. निवार, त्रिपाल 5. सिलाई कढ़ाई 6. थ्रेड बाल, 7. रेडीमेड गारमेंट 8. रैगजीन बैग, होलडाल 9. जूट के बोरे, बारदाना, सूतली, 10. सर्जिकल काटन बैन्डेज, 11. ऊनी कंबल एवं शाल, 12. लैस, डोरी 13. नाईलान के मौजे, निटवीयर, 14. होजरी 15. कशीदाकारी 16. ऊन कताई, कारपेट

धौलपुर (धौलपुर, मनियां, करीमपुर, पुरानी छावनी बलईनाथ) बाड़ी (बाड़ी [illegible], धानपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरैना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, करौली, अगाई) एवं समस्त जिले।

रसायन आधारित –

1. साबुन, 2. मोमबत्ती, 3. रोशनाई स्याही गोंद आदि 4. क्लीनिंग व वाशिंग पाउडर 5. पोलीथीन बैग्स, 6. बूट पालिश 7. टायर ट्यूब 8. रिफाईण्ड साल्ट 9. रबर सोल चप्पल, 10. पोलीसी पर्दी फिटिंग 11. पोलीवीनील जूते चप्पल 12. टायर रिटेडिंग व अन्य रबर के आईटम 13. आतिशबाजी 14. प्लास्टिक की कैरेट, बाल्टी 15. कोल्ड ड्रिंक 16. बैकेलाईट आईटम्स 17. डिस्टेम्पर, रंग 18. पेन्ट, वार्निश आदि 19. रबर के गुब्बारे 20. सोडियम सिलीकेट, 21. प्लास्टिक के बटन 22. रंगाई छपाई।

धौलपुर (धौलपुर, मनियां, करीमपुर, पुरानी छावनी बलईनाथ) बाड़ी (बाड़ी, उमरेह, धानपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरैना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, करौली, अगाई) एवं समस्त जिला।

इन्जिनियरिंग एवं एलाईड उद्योग –

1. कृषि उपकरण 2. स्टील फर्नीचर 3. आटो रिपेयरिंग वर्कर्स 4. लुहारी 5. एग्रो सर्विस सेन्टर 6. मैकेनिकल वर्कशाप 7. एल्यूमीनियम हार्डवेयर्स 8. आटोमोबाईल्स 9. फाउन्डरी 10. कांटेदार तार, 11. नटबोल्ट 12. फोर्जिंग शाप 13. जैक्स ड्रिल्स 14. रोलिंग शटर्स 15. कोल चौका, 16. बाल्टी तगारी बक्से आदि 17. कंड्यूट पाईप 18. जी.आई. पाईप व फिटिंग 19. सेन्ट्रीफ्यूगल पंप 20. लोहे के ड्रम्स

धौलपुर (धौलपुर, मनियां, करीमपुर, पुरानी छावनी बलईनाथ) बाड़ी (बाड़ी, उमरेह, धानपुर) राजाखेड़ा (राजाखेड़ा, मरैना, मछरिया) बसेड़ी (बसेड़ी, सरमथुरा, जारगा, करौली, अगाई) एवं समस्त जिला।

भवन सामग्री एवं सिरेमिक उद्योग –

1. स्टोन पॉलिशिंग व कटिंग 2. स्टोन क्रशिंग 3. ईंट भट्टा 4. चूना भट्टा 5. मोजेक टाईल्स 6. सीमेंट, एस्बेस्टोस पाईप 7. सीमेंट की जाली एवं टंकी 8. कांच के वैज्ञानिक उपकरण 9. स्टोन पेवर्स पत्थर की चौखट एवं जाली 10. पाटरीज व सिरेमिक आईटम्स

जरूरत के अनुसार

अन्य मांग आधारित उद्योग –

1. अभ्यास पुस्तिकाएं एवं रजिस्टर्स 2. हैण्डमेड पेपर्स 3. गत्ते की प्लेट 4. जिल्द साजी 5. पेपर बैग 6. वैक्स कोटेड पेपर 7. इलेक्ट्रिक लैम्प्स 8. ग्लास आईटम्स व चूड़ियां, कांच कोटिंग 9. कोरोगेटेड बाक्स 10. हेयर आयल, अगरबत्ती, 11. मिनी एयर वल्व 12. गत्ते के डिब्बे 13. कोल ब्रिकेट्स 14. सैंड पेपर [illegible] सुगंधित तम्बाकू 15. माचिस 16. प्रिंटिंग प्रेस

जरूरत के अनुसार

7.3 जिले के सम्भावित विकास केन्द्र :

औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिये आधारभूत सुविधा यथा भूमि, विद्युत, पानी, यातायात के साधन, बैंकिंग सुविधायें, बाजार उपयुक्त औद्योगिक वातावरण होना आवश्यक है । जिन स्थानों पर ये सुविधायें उपलब्ध होती है, वहां औद्योगिक विकास में अधिक कठिनाई नहीं आती है । आधार भूत सुविधाओं एवं औद्योगिक वातावरण को मद्दे नजर रखते हुये जिले के निम्नलिखित शहरों एवं ग्रामीण स्थान औद्योगिक विकास केन्द्र के लिये प्रस्तावित है ।

सम्भावित औद्योगिक विकास केन्द्रों की सूची :-

क्र0सं0	पंचायत समिति क्षेत्र	स्थान का नाम
1.	धौलपुर	मनियां, सैपऊ, कसौनी, बसई नवाब, करीमपुर, पुरानी छावनी, केथरी, पचगांव धौलपुर ।
2.	बाडी	बाडी, उमरेह, खानपुर मीना, कंचनपुर
3.	बसेडी	बसेडी, सरमथुरा, जारगा, दरौली, आंगई
4.	राजाखेडा	राजाखेडा, मरैना, मढरिया, पांगरोल

xxxxxxxx

अध्याय : 8 कार्यकारी योजना

8·1 विभिन्न योजनाओं में वर्ष 83-88 के लक्ष्य :-

विभागीय योजनाओं के वर्षवार लक्ष्य संलग्न तालिका सं0 8·1 पर अंकित है जिनमें वर्ष 83-84 एवं 84-85 के वास्तविक उपलब्धियों के आंकड़े अंकित है, एवं 3 वर्षों के अनुमानित लक्ष्य दर्शाये गये है ।

8·2 अनुसूचित जाति एवं जन जाति योजना :-

राज्य सरकार द्वारा जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से जिले के औद्योगिक विकास हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं में पिछड़े वर्ग के विकास पर समुचित ध्यान दिया जाता है । चूंकि यह वर्ग भारत वर्ष के ग्रामीण स्तर पर अपने दस्तकारी एवं औद्योगिक उत्पादों की मांग पूरी करता है इस वर्ग के [illegible] चर्म रंगाई, दरी बुनाई, ग्रामीण कार्य हेतु लकड़ी के कृषि उपकरण, लुहारी आदि के कार्य में लगे हुए हैं । महिला उपक्रमी जैसे बुनाई, कसीदाकारी, सिलाई तथा अन्य ग्रामीण उद्योग कार्यों में लगी हुयी हैं ।

धौलपुर जिले की कार्ययोजना में भी इस वर्ग पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया गया है। जो कि सारिणी सं0 8·2 में संलग्न है ।

8·3 लघु उद्योग एवं आर्टीजन इकाईयों की कार्यकारी योजना -

धौलपुर जिले में उद्योगों के पंजीयन, पूंजी विनियोजन एवं रोजगार की आवश्यकता के अनुसार 5 वर्षीय कार्यकारी योजना उद्योगवार एवं वर्षवार संलग्न तालिका 8·3 मे दर्शायी गयी है । जिसमें वर्ष 83-84 एवं 84-85 के लिए उद्योगों का पंजीयन, पूंजी विनियोजन, एवं रोजगार की संख्या वास्तविक उपलब्धियों के अनुसार दर्शाई गयी है। शेष सूचनाऐं अनुमानित आधार पर अंकित की गयी है जो कि सारिणी सं0 8·3 पर अंकित है ।

8·4 क्रेडिट प्लान (83-88) :-

लघु उद्योगों को विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 83-84 से 87-88 तक कार्यक्रम तैयार किया गया है इसके अंतर्गत पंचायत समिति वार लाभान्वित इकाईयों की संख्या एवं राशि दर्शाते हुए राजस्थान वित्त निगम एवं विभिन्न बैंकों के अनुमानित लक्ष्य निर्धारित कर क्रेडिट प्लान तैयार की गयी है जो कि सारिणी सं0 8·4 पर अंकित है ।

8·5 : खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 83-84 एवं 87-88 हेतु कार्यकारी योजना ।

खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत पंचायत समिति वार एवं उद्योग वार परिवारों को लाभान्वित कराये जाने हेतु 5 वर्षों का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है । जो कि सारिणी सं0 8·5 पर दर्शाया गया है ।

8·6 : औद्योगिक क्षेत्र के विकास कार्यों हेतु कार्यकारी योजना :

धौलपुर जिले में आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने एवं औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने हेतु रीको के माध्यम से कार्यवाही की जाती है । इसके अन्तर्गत वर्ष 83-88 हेतु वित्तिय कार्यक्रम निर्धारित किया गया है । जिसका विवरण सारिणी सं0 8·6 पर दिया गया है ।

8·7 : ट्राईसम योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम :

ग्रामीण क्षेत्रों में ट्राईसम योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण उपलब्ध करा-कर स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 83-84 से 87-88 हेतु योजना तैयार की गई है । जिसका विवरण व्यवसाय वार एवं पंचायत समिति वार संलग्न तालिका सं0 8·7 पर दर्शाया गया है ।

.....30/=

8.1

जिला उद्योग केन्द्र, धौलपुर

विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत वर्षवार कार्यक्रम (1983-88)

क्रमसं० योजना का नाम	वर्षवार लक्ष्य				
	83-34	84-85	85-86	86-87	87-88
1. पंजीयन-					
1. लघु उद्योग पंजीयन इकाईयाँ	44	43	40	45	45
2. आर्टीजन इकाईयाँ	37	89	75	75	75
2. जिला उद्योग केन्द्र ऋण-					
अ-इकाईयाँ	62	77	-	-	-
ब-राशि (लाख रु०)	0.64	0.89	-	-	-
3. राजस्थान वित्त निगम द्वारा ऋण					
अ-इकाईयाँ	35	72	90	90	100
ब-राशि (लाख रु०)	9.65	14.27	30.00	35.00	40.00
4. हाथकरघा सहकारी समिति					
अ-नयी समिति का गठन	1	-	1	1	1
ब-नये करघों की स्थापना	10	-	10	10	10
स- करघों से राशि (लाख रु०)	0.10	-	0.10	0.10	0.10
5. 15% राज्य विनियोजन अनुदान					
1. उद्योग विभाग द्वारा					
अ-संख्या	1	1	2	4	6
ब-राशि (लाख रु०)	0.04	0.10	0.15	0.20	0.30
2. रा० वित्त निगम द्वारा					
अ-संख्या	31	60	80	90	100
ब-राशि (लाख रु०)	3.49	2.55	4.00	4.50	5.00
6. विद्युत अनुदान					
अ-इकाईयाँ	3	7	-	-	-
ब-राशि (लाख रु०)	0.05	0.09	-	-	-
7. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से लाभान्वित परिवारों की संख्या	116	141	300	350	400
8. शहरी क्षेत्र में अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभान्वित कराने का कार्यक्रम (परिवारों की संख्या)	25	78	25	30	30
9. घरेलू उद्योग योजना	..	49	60	60	60

परिशिष्ट-2

४.१८

हमीरपुर जिले में अनुसूचित जाति व जनजाति एवं अन्य विशिष्ट वर्ग के उपक्रमियों हेतु कार्ययोजना

वर्ष 1983-88

क्रम	कार्यक्रम का नाम	83-84		84-85		85-86		86-87		87-88		योग	
		अ.जा./ज.जा.	अन्य वि.वर्ग	अजा./ज.जा.	अन्य वि.व.	अ.जा. जजा	अन्य वि.व.	अ.जा. जजा.	अ. वि. वर्ग	अ.जा. ज.जा.	अन्य वि.व.	अ.जा./ जजा.	अन्य वि.वर्ग
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.	12.	13.	14.
[illegible]	ग्रामीण एवं लघु उद्योग इकाईयों की स्थापना	60	5	60	5	70	10	70	10	80	20	340	50
[illegible]	खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सहायता	100	-	90	-	215	10	225	20	250	20	830	50
[illegible]	शहरी क्षेत्र के अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभान्वित करना	66	-	78	-	25	-	25	-	25	-	219	-
[illegible]	प्रशिक्षण	550	50	444	50	250	60	250	60	250	80	1150	300
[illegible]	वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना												
	पिकप द्वारा	79	5	154	10	120	15	125	15	125	25	603	70
	जिला उद्योग केन्द्र द्वारा	49	-	77	-	-	-	-	-	-	-	126	-
	राजस्थान वित्त निगम द्वारा	4	-	10	10	10	15	15	20	25	20	64	65
	राज्य विनियोजन अनुदान सहायता	2	-	8	-	10	5	15	10	15	10	50	30
[illegible]	हारेलू उद्योग योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशिक्षण	10	60	10	60	10	60	10	60	10	60	50	300

नोट- अन्य विशिष्ट वर्ग के उपक्रमियों में विकलांग, महिला उपक्रमियों के लक्ष्य रखे गए हैं।

कार्यकारी योजना वर्ष 83-88

सारिणी 8.3

क्रमांक	उद्योगों का वर्गीकरण	उद्योगों की संख्या	रोजगार	कुल पूंजी विनियोजन (लाख रु.) भूमि भवन व मशीनरी	वर्ष 83-84 वार्षिक उत्पादन का मूल्य (ला.रु.)	कुल पूंजी की आवश्यकता: टर्म लो.	कार्य. पूंजी	योग (ला.रु.)
83-84								
1.	कृषि आधारित उद्योग	17	43	11·80	26·00	8·40	6·00	14·40
2.	वन आधारित उद्योग	29	47	1·50	4·50	1·10	0·75	1·85
3.	खनिज आधारित उद्योग	10	38	3·80	12·00	3·00	2·00	5·00
4.	टैक्सटाईल आधारित "	37	195	4·50	13·50	3·00	2·25	5·25
5.	रसायन आधारित उद्योग	2	3	0·20	0·50	0·15	0·50	0·65
6.	इंजीनियरिंग आधारित"	6	15	0·90	2·00	0·65	0·50	1·15
7.	बिल्डिंग मैटीरियल "	—	—	—	—	—	—	—
8.	पशुधन आधारित	15	38	1·30	4·00	9·10	2·00	11·10
9.	अन्य	[illegible]	36	23·70	47·50	14·60	11·00	25·60
	योग	130	415	47·70	110·00	40·00	22·00	62·00

नोट- वर्ष 83-84 में एक कोल्ड स्टोरेज एवं एक मैकेनाईज्ड ब्रेड फैक्टरी लगाने से पूंजी विनियोजन अधिक हुआ है।

क्रमांक	उद्योगों का वर्गीकरण	उद्योगों की संख्या	रोजगार	कुल पूंजी विनियोजन	वार्षिक उत्पादन का मूल्य	टर्म लो.	कार्य. पूंजी	योग
84-85								
1.	कृषि आधारित उद्योग	21	64	12·40	36·00	8·00	6·00	14·00
2.	वन आधारित उद्योग	34	65	1·80	5·00	1·40	1·00	2·40
3.	खनिज आधारित उद्योग	10	48	4·50	13·00	3·00	3·00	6·10
4.	टैक्सटाईल आधारित"	30	134	3·20	11·00	2·20	2·00	4·20
5.	रसायन आधारित	1	3	0·20	0·50	0·10	0·50	0·60
6.	इंजीनियरिंग आधारित	9	18	0·80	3·00	0·50	0·50	1·00
7.	बिल्डिंग मैटीरियल	—	—	—	—	—	—	—
8.	पशुधन आधारित	16	41	0·30	2·00	0·20	1·00	1·20
9.	अन्य	11	29	3·40	10·50	2·50	2·00	4·50
	योग	132	400	26·60	80·00	18·00	16·00	34·00

1	2	3	4	5	6	7	8	9
85-86								
1.	कृषि आधारित	25	75	15.00	45.00	10.50	8.00	19.50
2.	वन आधारित उद्योग	30	90	2.00	6.00	1.50	1.00	2.50
3.	खनिज आधारित	25	125	15.00	45.00	11.00	3.00	19.00
4.	टैक्सटाईल आधारित	15	30	0.50	2.00	0.40	0.50	0.90
5.	रसायन आधारित	2	10	1.00	3.00	0.70	0.50	1.20
6.	इंजीनियरिंग संबंधित उद्योग	10	30	2.50	7.50	1.50	1.00	2.50
7.	बिल्डिंग मैटेरियल आधारित	2	10	0.50	1.50	0.40	0.50	0.90
8.	पशुधन आधारित	15	30	0.50	1.00	0.40	0.50	0.90
9.	अन्य	16	50	3.00	9.00	1.50	2.00	2.50
	योग-	140	450	40.00	120.00	28.00	22.00	50.00
86-87								
1.	कृषि आधारित	25	75	15.00	45.00	11.00	8.00	19.00
2.	वनआधारित उद्योग	30	90	2.00	6.00	1.50	1.00	2.50
3.	खनिज आधारित उद्योग	30	150	18.00	55.00	13.50	10.00	23.50
4.	टैक्सटाईल आधारित	15	30	0.50	1.50	0.40	1.00	1.40
5.	रसायन आधारित	2	10	1.00	3.00	0.75	0.50	1.25
6.	इंजीनियरिंग संबंधित	10	30	2.50	7.50	1.85	1.50	3.35
7.	बिल्डिंग मैटेरियल आधारित	2	10	0.50	1.50	0.40	0.50	0.90
8.	पशुधन आधारित	15	30	0.50	1.50	0.35	1.00	1.35
9.	अन्य	16	50	3.00	9.00	2.25	1.50	3.75
	योग	145	475	43.00	130.00	32.00	25.00	57.00

परिशिष्ट सं० 8·2

कार्यकारी योजना वर्ष 1983-88

1	2	3	4	5	6	7	8	
1·	कृषि आधारित उद्योग	30	100	20·00	60·00	15·00	12·50	27·50
2·	वन आधारित उद्योग	30	90	2·00	6·00	1·50	1·00	[illegible]·50
3·	खानिज आधारित उद्योग	30	150	20·00	60·00	15·00	10·00	25·00
4·	टैक्सटाईल आधारित उद्योग	5	30	0·50	1·50	0·30	0·50	0·80
5·	रसायन आधारित उद्योग	2	10	1·00	3·00	0·70	0·50	1·20
6·	इन्जि· व सम्बंधित उद्योग	10	30	2·50	7·50	1·50	1·00	2·50
7·	बिल्डिंग मेटीरियल आधारित	2	10	0·50	1·50	0·30	0·50	0·80
8·	पशु धन आधारित	15	30	0·50	1·50	0·30	0·50	0·80
9·	अन्य	16	50	3·00	9·00	1·40	1·50	2·90
	योग:	150	500	50·00	150·00	36·00	28·00	64·00

(87-88)

परिशिष्ट सं० 8·5/3

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कार्यक्रम वर्ष 1983-84 से 1987-88 तक

क्र०सं०	पंचायत समिति का नाम	विभिन्न खादी एवं ग्रामो· योजनाओं के अन्तर्गत परिवार लाभान्वित कराये जाने हेतु लक्ष्य (इकाई की संख्या)															
		ते·धा·	चर्मजूता	चर्म रंगाई	रेशा प·	मुड्डा	बांसबेंत	लुहारी	सुथारी	गुड खा·	अ·दा· मिनी·	भो·चा·	चूनाचा·	चूना कां·	कुम्हा·	मज बी·	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1·	धौलपुर पं० स०	1	60	18	8	6	6	3	8	–	1	1	2	2	40	10	165
2·	बाडी ,,	1	30	10	4	4	5	2	5	2	1	–	2	1	7	1	75
3·	राजाखेडा ,,	–	20	9	4	7	10	2	4	–	–	–	2		17	9	85
4·	बसेडी ,,	–	20	10	4	3	9	3	6	–	–	–			11	3	75
	योग	2	130	47	20	20		10	25	2	2						

[illegible] भिन्न संस्थाओं के [illegible] यम से लघु उद्योगों के वित्तीय सुविधा उपलब्ध करा[illegible] हेतु

कार्यक्रम वर्ष 1983-84 से 1987-88

वर्षवार प्रस्तावित इकाईयों की संख्या एवं राशि

	1983-84		1984-85		1985-86		1986-87		1987-88		योग	
	सं०	रा०	सं०	रा०	सं०	रा०	सं०	रा०	सं०	रा०	सं०	रा०
[illegible] राजस्थान वित्त निगम के माध्यम से:												
[illegible]त आरक्षित –												
[illegible]ांजपुर	16	5·50	62	22·20	55	23·00	55	20·00	60	23·00	248	91·80
[illegible]ाडा	7	1·92	6	1·90	15	2·00	15	10·00	15	10·00	60	25·82
[illegible]बेडा	4	0·82	8	1·50	10	3·00	10	3·00	15	5·00	47	13·32
[illegible]ाजाजोडा	8	1·06	7	3·40	10	2·00	10	2·00	10	2·00	45	10·46
योग	35	9·40	85	27·00	90	30·00	90	35·00	100	40·00	400	141·40
[illegible]भिन्न बैंकों के माध्यम से –												
[illegible] समिति												
[illegible]ांजपुर	45	8·00	30	13·00	55	14·00	60	15·00	65	18·00	275	68·00
[illegible]बाडा	25	6·00	30	7·00	35	8·00	40	12·00	45	14·00	175	47·00
[illegible]बेडा	25	2·00	30	2·00	35	3·00	40	4·00	45	4·00	175	15·00
[illegible]ाजाजोडा	25	2·00	30	2·00	35	3·00	40	4·00	45	4·00	175	15·00
योग	120	18·00	40	24·00	160	28·00	180	35·00	200	40·00	800	145·00

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B S[illegible] Marg, [illegible]-110016
DOC, No. 3625
Date 31.3.86

परिशिष्ट सं० 4.2

वर्ष 1983-84 खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कार्यक्रम वर्ष 1983-84 से 1987-88

क्र०सं०	पंचायत समिति का नाम	विभिन्न खादी एवं ग्रामोद्योग योजनाओं के अन्तर्गत परिवार लाभान्वित कराये जाने हेतु (स्व) इकाईयों की सं०															
		चर्मजूता	चर्मरंगाई	रेशा पा.	मुडडा	बांसबेंत	लुहारी	सुथारी	गुड़ खां.	अ.दा. पृ.	गो.बा.	बुना चा.	लाख चू.	कुम्हा.	मज बीन	तेल हा.	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	धौलपुर पं० स० व शहर	25	5	2	3	2	2	3	-	1	1	2	2	5	3	1	57
2.	बाड़ी ,, ,,	16	4	4	2	4	2	[illegible]	1	-	-	-	1	11	2	1	51
3.	बसेड़ी ,, ,,	10	5	3	-	4	1	2	-	-	-	-	-	[illegible]	3	-	32
4.	राजाखेड़ा ,, ,,	9	2	1	3	2	2	1	-	-	-	1	1	4	2	-	28
वर्ष 1984-85																	
1.	धौलपुर पं०स० व शहर	40	12	5	5	5	4	8	-	1	1	2	3	30	10	1	127
2.	बाड़ी ,, ,,	20	3	2	2	5	2	2	2	-	-	1	1	9	1	1	51
3.	बसेड़ी ,, ,,	20	2	2	-	5	2	2	-	-	-	-	1	5	1	-	[illegible]
4.	राजाखेड़ा ,, ,,	20	3	1	3	5	2	3	-	-	-	1	1	16	8	-	[illegible]
	योग:	100	20	10	10	20	10	15	2	1	1	4	6	60	20	2	28

1985-86 परिशिष्ट सं० 8.5/2

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	धौलपुर पं०स० व शहर	45	12	6	5	6	4	6	–	1	.	2	3	33	10	1	135
2.	बाडी ,,	20	4	2	2	6	2	4	2	–	–	1	1	9	1	1	55
3.	राजाखेड़ा ,,	20	3	2	3	6	2	3	–	–	–	2	1	15	8	–	65
4.	बसेडी ,,	20	3	1	–	6	2	2	–	–	–	–	2	6	1	–	45
5	योग/	105	22	14	10	24	10	15	2	[illegible]	1	5	6	63	20	2	300

86-87

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	धौलपुर पं०स० व शहर	50	16	8	6	8	4	6	–	1	1	2	2	38	10	1	155
2.	बाडी ,,	25	8	4	3	5	2	5	2	–	–	1	1	7	1	1	65
3.	राजाखेड़ा ,,	20	3	3	6	8	2	3	–	–	–	2	1	17	10	–	75
4.	बसेडी ,,	20	5	3	–	9	2	4	–	–	–	–	2	8	2	–	55
	योग/-	115	32	18	15	30	10	20	2	1	1	5	6	70	23	2	350

औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने हेतु कार्यक्रम - योजना वर्ष 1983-88

(लाख रु० में)

क्र०सं०	विवरण	अनुमानित कुल राशि	वर्ष वार व्यय का विवरण 83-84	84-85	85-86	86-87	87-88
	राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रीयल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कारपोरेशन लि० के माध्यम से :						
(1)	औद्योगिक क्षेत्र धौलपुर	2.29	0.15	1.30	0.35	-	-
	(अ) सडक निर्माण पर	1.10					
	(ब) पाईप लाईन पर	0.61					
	(स) विद्युत लाईन पर	0.24					
	(द) स्ट्रीट लाईट पर	0.05					
	(य) अन्य व्यय	0.29					
(2)	औद्योगिक क्षेत्र बाडी	9.33	-	1.30	4.00	3.00	1.03
	(अ) सडक निर्माण पर,	1.90					
	(ब) पाईप लाईन पर	3.98					
	(स) विद्युत लाईन पर	0.93					
	(द) सर्वे, पी.डी. वर्क एवं अन्य व्यय	2.52					
(3)	नवीन औद्योगिक क्षेत्र धौलपुर (ओडेला गांव)	40.00	-	-	10.00	10.00	20.00

xxxxxx

ट्राईसम योजना के अन्तर्गत पंचायत समिति वार प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 1983-88 परिशिष्ट सं० 8.7/1

1983-34

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	आई.टी.आई द्वारा प्रशिक्षण: धौल.	बाडी	बसेडी	राजाखेडा	योग	संस्थागत प्रशिक्षण: धौल.	बाडी	बसेडी	राजाखेडा	योग	पंचायत समिति द्वारा प्रशिक्षण: धौलपुर	बाडी	बसेडी	राजाखेडा	योग	महा योग
	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	मोटर वाईण्डिंग	9	7	6	6	28	–	–	–	–	–	3	–	3	3	9	37
2.	हाउस वाईरिंग	6	8	6	4	24	–	–	–	–	–	3	6	3	3	15	39
3.	स्टैनोग्राफी	8	10	5	5	28	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	28
4.	फिटर	8	9	5	5	27	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	27
5.	वैल्डर	5	3	5	5	18	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	18
6.	डीजल मैकेनिक	4	3	3	5	15	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	15
7.	कढाई	–	–	–	–	–	10	–	10	10	30	21	12	15	15	63	93
8.	सिलाई	–	–	–	–	–	10	10	–	10	30	6	6	6	6	24	54
9.	बुनाई	–	–	–	–	–	–	10	10	–	20	3	6	6	6	21	41
10.	सुथारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4	5	3	12	12
11.	साईकिल मरम्मत	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4	3	6	5	18	18
12.	वर्कशाप	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	6	6
13.	दरी पट्टी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	–	6	6
14.	जूता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6	6	6
	योग:	40	40	30	30	140	20	20	20	20	80	40	40	50	50	180	400

लगातार.... 39.

परिशिष्ट सं० 8.2/2

1984-85 ट्राईसम योजना के अन्तर्गत पंचायत समिति वार प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 1983-88

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	आई.टी.आई. द्वारा प्रशिक्षण					संस्थागत प्रशिक्षण					पंचायत समिति द्वारा प्रशिक्षण					महायोग
		धौल.	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	धौल.	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	धौल.	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	मोटर वाईंडिंग	6	6	4	6	22	–	–	–	–	–	6	3	4	3	16	38
2.	हाउस वाईरिंग	9	6	6	4	25	–	–	–	–	–	6	9	6	5	26	51
3.	स्टैनोग्राफी	6	5	6	3	20	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	20
4.	फिटर	10	5	3	3	21	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	21
5.	वैल्डर	4	5	3	6	18	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	18
6.	डीजल मैकेनिक	5	3	3	3	14	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	14
7.	कढ़ाई	–	–	–	–	–	15	15	–	15	45	21	15	15	18	69	114
8.	सिलाई	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	9	9	6	3	27	27
9.	बुनाई	–	–	–	–	–	–	–	15	–	15	3	6	3	3	15	30
10.	सुथारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	6	6	6	21	21
11.	साईकिल मरम्मत	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	6	15	15
12.	वर्कगार	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	6	15	15
13.	दरी पट्टी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	–	–	6	6
14.	जूतजूता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	4	–	10	10
	योग:-	40	30	25	25	120	15	15	15	15	60	60	60	50	50	220	400

॥ 41 ॥

ट्राईसेम योजना के अन्तर्गत पंचायत समिति वार प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 1983-88

क्र.सं.	व्यवसाय का नाम	आई.टी.आई द्वारा प्रशिक्षण					पंचायत प्रशिक्षण					पंचायत समिति द्वारा प्रशिक्षण					महा योग
		धौल.	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	धौलपुर	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	धौल.	बाड़ी	बसेड़ी	राजाखेड़ा	योग	
1.	मोटर वाइंडिंग	[illegible]	5	5	5	21	–	–	–	–	–	–	6	6	6	18	39
2.	हाउस वायरिंग	10	6	4	5	25	–	–	–	–	–	6	3	3	6	18	43
3.	फोटोग्राफी	5	5	4	4	19	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	19
4.	फिटर	10	5	4	4	23	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	23
5.	वेल्डर	8	5	9	4	26	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	26
6.	डीजल मैकेनिक	5	4	4	3	16	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	16
7.	ढाई	–	–	–	–	–	12	12	–	=	24	24	12	15	21	72	96
8.	सिलाई	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6	6	6	3	21	21
9.	नाई	–	–	–	–	–	13	13	–	–	26	6	3	4	3	16	42
10.	खाती	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	8	3	3	17	17
11.	साईकिल मरम्मत	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6	3	6	3	18	18
12.	ठठारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	6	15	15
13.	दरी पट्टी	[illegible]	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	4	3	13	13
14.	ता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	–	6	12	12च
	योग:-	45	30	3	25	130	25	25	–	–	50	60	50	50	60	220	400

परिशिष्ट सं0 8.7.24

ट्राईसम योजना के अन्तर्गत पंचायत समिति वार प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 183-8[illegible]

1986-87

क्र.सं0 व्यवसाय का नाम	आई.टी.आई. द्वारा प्रशिक्षण					संस्था द्वारा प्रशिक्षण					पंचायत समिति द्वारा प्रशिक्षण					
	हौल.	बाडो	बसेडो	राजा-खेडा	योग	हौल.	बाडो	बसेडो	राजा-खेडा	योग	हौल.	बाडो	बसेडो.	राजाखेडा	योग	महायोग
1. मोटर वाईण्डिंग	6	7	5	[illegible]	21	–	–	–	–	–	6	6	9	3	24	45
2. हाउस वायरिंग	10	7	5	6	28	–	–	–	–	–	3	3	6	6	18	46
3. स्टैनोग्राफी	6	5	4	6	21	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	21
4. फिटर	10	5	5	6	26	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	26
5. वैल्डर	8	6	7	5	26	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	26
6. कढाई	–	–	–	–	–	10	–	–	5	25	21	18	10	18	67	92
7. डीजल मैकेनिक	5	5	4	4	18	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	13
8. सिलाई	–	–	–	–	–	5	–	–	5	10	9	3	6	4	22	32
9. बुनाई	–	–	–	–	–	10	–	–	5	15	9	3	4	6	22	37
10. सुथारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	4	3	3	13	13
11. साईकिल मरम्मत	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	3	12	12
12. वर्कशाप	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	–	3	9	9
13. दरी पट्टी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4	3	4	11	11
14. जूता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	6	–	12	12
योग:	45	35	30	30	140	25	–	–	[illegible]	50	60	50	50	50	210	400

Sub National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. D-8132
NIEPA DC
D03025

सारिणी सं० 8.7/5

ट्राईसम योजना के अन्तर्गत/ अन्तर्गत पंचायत समिति वार प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 1983-88

87-88

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	आई.टी.आई. द्वारा प्रशिक्षण					संस्थागत प्रशिक्षण					पंचायत समिति द्वारा प्रशिक्षण					महा योग
		धौ०	बाडी	कोडी	राजाखेडा	योग	धौ०	बाडी	कोडी	राजाखेडा	योग	धौ०	बाडी	कोडी	राजाखेडा	योग	
1.	मोटर वायरिंग	10	7	6	4	28	–	–	–	–	–	6	3	6	6	21	47
2.	हाउस वायरिंग	7	6	4	6	23	–	–	–	–	–	3	6	9	6	24	47
3.	स्टेनोग्राफी	8	5	5	7	25	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	25
4.	फिटर	10	6	6	6	28	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	28
5.	वेल्डर	8	5	5	7	25	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	25
6.	डीजल मैकेनिक	7	6	[illegible]	5	23	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	23
7.	कढाई	–	–	–	–	–	10	–	10	–	20	15	15	6	12	48	68
8.	सिलाई	–	–	–	–	–	5	–	10	–	15	4	6	9	6	25	40
9.	बुनाई	–	–	–	–	–	10	–	5	–	15	4	3	4	4	15	30
10.	सुथारी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	6	4	3	6	19	19
11.	साईकिल मरम्मत	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	4	4	14	14
12.	वर्कशाप	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	–	9	9
13.	दरी पट्टी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	4	3	3	13	13
14.	जूता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	3	3	3	12	12
	योग:	50	35	30	35	150	25	–	25	–	50	50	50	50	50	200	400